केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

बड़प्पन वह गुण है जो किसी पद से नही संस्कारों से प्राप्त होता है

वर्ष : 16 अंक : 175 | उज्जैन, शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

राज्य की समृद्ध वन संपदा में चीता मुकुटमणि और कोहिनूर के समान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर कूनो नेशनल पार्क में छोड़े 3 चीते

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों के अनुरूप श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में चीतों के पुनर्स्थापन को नई दिशा मिली है। आज अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस के अवसर पर मादा चीता वीरा के साथ उसके दो शावक खुले वन में विचरण के लिए छोड़े गए हैं। राज्य में चीतों की संख्या अब 32 हो गई है। इसमें गांधीसागर अभयारण्य के 3 चीते भी शामिल हैं। कूनो नेशनल पार्क चीतों के पुनर्वास से अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर का केंद्र बन चुका है। कूनो में हमारी धरती पर ही जन्मे तीसरे पीढ़ी के चीते विचरण कर रहे हैं। कूनो में जन्मी मादा चीता मुखी के 5 शावक स्वस्थ हैं, यह सुखद समाचार है। कूनो के चीते अब श्योपुर से मुरैना और राजस्थान की धरती तक दौड़ लगा रहे हैं। राज्य की समृद्ध वन संपदा में चीता मुकुटमणि और कोहिनूर के समान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर तीन चीतों को स्वच्छंद विचरण के लिये बाड़े से अभयारण्य में छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की भूमि पर सभी जीव सुरक्षित होंगे, राज्य सरकार इसके लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उन्नत रेडियो ट्रेकिंग प्रणाली और समर्पित टीमों के माध्यम से सतत् निगरानी की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चीता दिवस के अवसर पर कूनो राष्ट्रीय उद्यान के वर्ष-2026 के कैलेण्डर और फील्ड मैन्युअल फॉर क्लिनिकल मैनेजमेंट ऑफ फ्री-रेंजिंग चीताज़ इन कूनो नेशनल पार्क बुक का विमोचन किया। साथ ही कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नव-निर्मित सोवेनियर शॉप का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान के पारोंद में आयोजित कार्यक्रम में चीता दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी। चीता प्रोजेक्ट की सफलता के लिए उन्होंने वन विभाग के अमले को धन्यवाद भी दिया।

चीतों का परिवार बढ़ रहा है तेजी से- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, टाइगर, लैपर्ड और चीता स्टेट है। हमारे जंगल बहुत से वन्यजीवों के आश्रय स्थल हैं। ऐसे में विश्व में पहली बार चीतों का पुनर्स्थापन मध्यप्रदेश में हुआ, इसके लिए वन विभाग के मंत्री और अधिकारी बधाई के पात्र हैं। श्योपुर, कूनो में चीतों के पुनर्स्थापन से पर्यटन में 5 गुना वृद्धि हो चुकी है। चीतों का परिवार जिस तेज गति से बढ़ रहा है, उसी हिसाब से भविष्य में कूनो नेशनल पार्क से विस्थापित लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं।

मनुष्य और चीते का संबंध वसुधैब कुटुम्बकम का सबसे सुंदर उदाहरण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि चंबल अंचल के स्वच्छ वातावरण में हमारे नागरिक भी चीतों के साथ जीना सीख गए हैं और चीतों से प्रेम भी कर रहे हैं। प्रदेशवासियों में वन्यजीवों एवं प्रकृति के साथ भाईचारे से जुड़ने का स्वभाव है। यह वसुधैब कुटुम्बकम का सबसे सुंदर उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की धरती पर चीता परियोजना के क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीता पर्यटन से कूनो राष्ट्रीय उद्यान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टैरिफ वार के बीच भारत-अमेरिका के बीच हुई 7995 करोड़ की डील, इंडियन नेवी की और बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिकी राष्टपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया, जिसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। हालांकि, अब भारत और अमेरिका के संबंध को लेकर गुड न्यूज सामने आई है। भारत ने अमेरिका के साथ 7,995 करोड़ रुपये की डील साइन की है। रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका के साथ अगले 5 साल की डील की है, जिसके तहत अमेरिका भारतीय नौसेना के 24 रूा-60क्र सीहॉक रोमियो हेलीकॉप्टर को तैयार करने से लेकर ऑपरेशनल रखने में मदद करेगा। दोनों देशों ने लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस पर हस्ताक्षर किए हैं। यह फैसला 2025 से 2030 तक लागू रहेगा। भारत और अमेरिका के बीच हुआ यह समझौता फॉलो ऑन सपोर्ट है। इसके तहत अमेरिका सीहॉक हेलीकॉप्टर के लिए स्पेयर पार्ट्स और सपोर्ट इक्विपमेंट, पायलटों और स्टाफी की ट्रेनिंग के अलावा तकनीकी मदद मुहैया करवाएगा। 24 MH-60R सीहॉक रोमियो हेलीकॉप्टर का निर्माण अमेरिका की लॉकहेड मार्टिन कॉर्पोरेशन ने किया है। यह हेलीकॉप्टर हर मौसम में उड़ने की क्षमता रखता है। अमेरिका ने 2020 में भारत के साथ किए गए समझौतों के तहत यह हेलीकॉप्टर भारत को दिए थे। रात के अंधेरे में भी यह हेलीकॉप्टर आसानी से टेक ऑफ और लैंडिंग कर सकता है। यह हेलीकॉप्टर हेलफायर मिसाइल, टॉरपीडो, सोनोबॉय और रडार से लेस है। भारत और अमेरिका के बीच हुई डील की खास बात यह है कि अभी तक हेलीकॉप्टर को सर्विसिंग के लिए अमेरिका भेजना पड़ता था, लेकिन अब भारत में ही इसकी सर्विसिंग हो सकेगी।

दंगों की राजनीति स्वीकार नहीं... TMC विधायक हुमायूं कबीर के निलंबन पर बोलीं ममता बनर्जी

कोलकाता/ जीएनएस। विधायक हुमायूं कबीर को गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस से निलंबित किए जाने के कुछ घंटे बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मुर्शिदाबाद के लोग 'दंगों की राजनीति' को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। तृणमूल कांग्रेस ने मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद के निर्माण की घोषणा करके विवाद खड़ा करने वाले भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर को गुरुवार निलंबित कर दिया। कबीर का नाम लिए बिना सुश्री बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में एक रैली में कहा कि 'तृणमूल कांग्रेस सांप्रदायिक राजनीति नहीं करती और वह इसके सख्त खिलाफ है।' उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के प्रयासों के खिलाफ चेतावनी देने के लिए जिले के बहुलवादी इतिहास का हवाला दिया। हम मुर्शिदाबाद के इतिहास को नहीं भूल सकते। यहां हर घर में सिराजुद्दौला का सम्मान किया जाता है। यह जिला नवाबों की धरती है। यहां सभी धर्मों के पवित्र स्थल हैं। लोग सिराज को याद करते हैं। मुर्शिदाबाद के लोग दंगों की राजनीति को स्वीकार नहीं करेंगे।' उनकी टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस द्वारा कबीर को निलंबित किये जाने के कुछ ही देर बाद आई है।ममता बनर्जी का दंगों पर बयान कबीर की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर प्रस्तावित मस्जिद के लिए छह दिसंबर को होने वाले शिलान्यास से पहले की गई टिप्पणी से जिले में सांप्रदायिक तनाव की आशंका पैदा हो गई थी। कबीर के निलंबन पर सीधे बनर्जी ने मुहर लगाई है। उनके निलंबन की घोषणा कोलकाता में आज आनन-फानन में बुलाई गई प्रेसवार्ता में वरिष्ठ मंत्री एवं कोलकाता के मेयर फिरहाद हाकिम ने की। हाकिम ने कहा कि हुमायूं कबीर का पार्टी से कोई संबंध नहीं होगा। धर्म के नाम पर विभाजनकारी राजनीति करने वालों के लिए तृणमूल कांग्रेस में कोई जगह नहीं है।

निजाम का स्टेटस सिंबल वाला महल, कैसे बन गया कूटनीति का केंद्र?

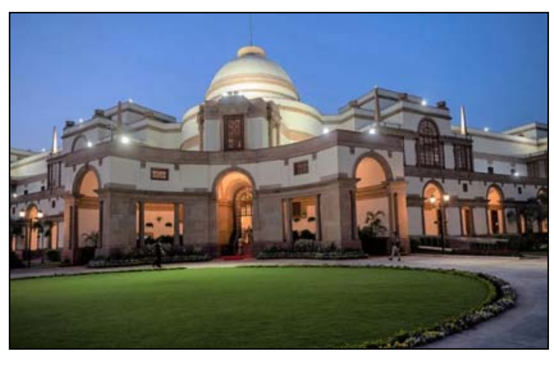

नई दिल्ली/ जीएनएस। राजधानी दिल्ली के दिल व इंडिया गेट के ठीक उत्तर में खड़ा- 1, अशोक रोड का हैदराबाद हाउस सिर्फ एक सरकारी गेस्ट हाउस नहीं है, बल्कि भारतीय इतिहास का वह जिंदा अध्याय है, जिसमें कभी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति-हैदराबाद के आखिरी निजाम मीर उस्मान अली खान की शान-ओ-शौकत बसती थी। यहां की दीवारें उस दौर की अमीरी, रुतबे और जीवनशैली की अनगिनत कहानियां फुसफुसाती हैं।

इस भव्य इमारत का हर हिस्सा, हर मेहराब और हर एक पत्थर उस साम्राज्य की चमक का गवाह है, जिसकी पहचान उसके खजाने, हीरों-मोतियों और अपार वैभव से होती थी। लुटियंस की बारीकियों से तराशी गई यह संरचना सिर्फ वास्तुकला का नमूना नहीं, बल्कि राजसी विरासत और स्वतंत्र भारत की उभरती कूटनीति के संगम की जीवंत तस्वीर है। हैदराबाद हाउस आज भी उसी इतिहास, उसी वैभव और उसी छिपी हुई कहानी को अपने भीतर सुरक्षित रखे हुए खड़ा है- एकदम शांत, स्थिर और समय के प्रवाह का मौन साक्षी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान हैदराबाद हाउस एक बार सुर्खियों में है।

हैदराबाद हाउस बनने की क्या कहानी है- जब अंग्रेजों ने साल 1911 में नई दिल्ली को देश की राजधानी बनाया। तब कई रियासतों ने राजधानी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश की। हैदराबाद के निजाम की मांग सबसे अलग और सबसे साहसी थी। निजाम ने चाहा था कि उनको एक ऐसी जगह प्लॉट मिले जो उनकी शान और प्रतिष्ठा से मेल खाए। यानी कि उनका महल वायसराय हाउस (मौजूदा राष्ट्रपति भवन) के बिलकुल पास बने। अंग्रेजों ने यह मांग ठुकरा दी, क्योंकि वे वायसराय के घर के पास किसी भारतीय शासक को इतना बड़ा भवन बनाने की अनुमति नहीं देना चाहते थे। आखिर में सिर्फ 5 रियासतों को किंग्स वे के छोर पर, वायसराय हाउस से तीन किलोमीटर दूर प्लॉट आवंटित किए गए। ये पांच रियासतें- हैदराबाद, बड़ौदा, पटियाला, जयपुर और बीकानेर थीं।

हैदराबाद के निजाम को किंग्स वे आखिरी छोर पर प्लॉट मिला। इसी प्लॉट पर मीर उस्मान अली खान ने 1920 के दशक में एक भव्य महल (हैदराबाद हाउस) बनवाया था। उस वक्त हैदराबाद हाउस, जिसकी भव्यता वायसराय हाउसको छोड़कर किसी भी इमारत से कम नहीं थी।

उस दौर में मीर उस्मान अली खान भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति थे। कहा जाता है- उनके खजानों में इतने मोती थे कि उससे ओलंपिक साइज स्विमिंग पूल भरा जा सकता था। उनके पास दुनिया के सबसे बड़े हीरों में एक जैकब डायमंड था, जिसे वे कागज दबाने के लिए पेपरवेट की तरह इस्तेमाल करते थे। जो शख्स पेपरवेट की जगह जैकब डायमंड का इस्तेमाल करता रहा हो, सोचो उसका दिल्ली का घर साधारण कैसे हो सकता था।

बालू और लघु खनिज आवंटन पर रोक बरकरार, पेसा एक्ट लागू न होने पर झारखंड हाई कोर्ट सख्त

रांची/ जीएनएस। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत में पेसा एक्ट लागू नहीं करने के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है कि पेसा एक्ट कानून कितने दिनों बनाकर लागू किया जाएगा। अदालत ने इसकी पूरी जानकारी शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट में प्रस्तुत करने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई 17 दिसंबर को होगी। इस दौरान सरकार की ओर से बालू एवं लघु खनिज के आवंटन पर रोक को हटाने का आग्रह किया गया, लेकिन अदालत ने रोक को बरकरार रखा है। इस संबंध में आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की ओर से हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गई है।

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि पंचायती राज विभाग ने पेसा नियमावली का प्रारूप तैयार कर लिया है। पहले उक्त प्रारूप कैबिनेट को-आर्डिनेशन कमेटी को भेजा जाएगा था। आपत्ति आने पर फिर से संशोधित करने ड्राफ्ट कमेटी को भेजा गया है।

यूपी से बिहर जा रहे ट्रक को टोल प्लाजा पर रोका, देखते ही पुलिस को हुआ शक; बोरियां हटाई गईं तो खुल गया बड़ा राज

लखनऊ/ जीएनएस। आलू की बोरियों में बिहार जा रही शराब की पेटियों को स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बुधवार देर रात इटौंजा टोल प्लाजा के पास से पकड़ा। साथ में एक तस्कर को भी दबोचा है। एसटीएफ की टीम ने अलग-अलग कई ब्रांड की 13,812 अंग्रेजी शराब की बोतलें बरामद की हैं। आरोपित से पूछताछ कर गिरोह के अन्य तस्करों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, गिरफ्तार तस्कर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला के जनसावा कोटला स्थित दादिया स्यूल का सुशील कुमार है। पूछताछ में उसने बताया कि वह आलू की बोरियों में अंग्रेजी शराब चंडीगढ़ से बिहार लेकर जा रहा था। गिरोह का सरगना चंडीगढ़ निवासी कपिल वर्मा है। उसने शराब ट्रक में लोड कराई थी।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल में गड़बड़ी से दिल्ली एयरपोर्ट पर मची अफरा-तफरी, एविएशन मिनिस्ट्री ने संसद में दिया जवाब

नई दिल्ली/ जीएनएस। सिविल एविएशन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कई सांसदों के उठाए गए एक अनस्टार्ड सवाल के जवाब में कहा कि 6 नवंबर को एयर ट्रैफिक सर्विस मैसेज को प्रोसेस करने और डिलीवर करने में बहुत ज्यादा लेटेंसी देखी गई।

सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने माना है कि नवंबर की शुरुआत में दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑपरेशन में सॉफ्टवेयर से जुड़ी रुकावट आई, जिससे दो दिन में सैकड़ों फ्लाइट्स में बहुत ज़्यादा देरी हुई, जिससे फ्लाइट्स पर असर पड़ा। इस दिक्कत ने एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट ऑटोमेशन सिस्टम पर असर डाला, जिससे जरूरी एयरोनॉटिकल फिक्स्ड टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क मैसेज में देरी हुई, जिसमें फ्लाइट प्लान, जरूरी फ्लाइट इन्फॉर्मेशन सेंटर नंबर और एयर डिफेंस क्लीयरेंस शामिल हैं। घटना के समय करीब 800 फ्लाइट्स में देरी की खबर थी, लेकिन मंत्री ने बताया कि 6 से 8 नवंबर के बीच 397 तय पैसेंजर फ्लाइट्स में देरी हुई।

अहमदाबाद प्लेन क्रैशः कैसे हुआ हादसा, कहां तक पहुंची जांच? सरकार ने संसद में दिया जवाब

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकार ने गुरुवार को कहा कि जून में अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया प्लेन क्रैश की जांच अभी भी चल रही है। जांच की फाइनल रिपोर्ट अभी जारी नहीं हुई है। इस मामले में सिविल एविएशन राज्य मंत्री, मुरलीधर मोहोल ने कहा कि एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो, एयरक्राफ्ट नियम- 2025 के तहत जांच कर रहा है। यह अपडेट MP शफी परम्बिल द्वारा जांच की स्थिति और नतीजों के बारे में संसद में उठाए गए एक बिना तारांकित सवाल के जवाब में आया है।

260 लोगों की गई थी जान - 12 जून को अहमदाबाद से टेक-ऑफ के तुरंत बाद लंदन जा रहे एयर इंडिया बोइंग 787-8 एयरक्राफ्ट के क्रैश होने से 241 यात्रियों और क्रू मेंबर समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में सिर्फ एक यात्री बच गया था।

हादसे की शुरुआती रिपोर्ट 12 जुलाई को पब्लिश हुई थी, लेकिन इसमें उस समय इकट्ठा किए गए सबूतों के आधार पर जानकारी दी गई थी।

कहां तक पहुंची जांच- मंत्री ने साफ किया कि जांचकर्ता अभी भी क्रैश के सभी संभावित कारणों की जांच कर रहे हैं। मोहोल ने कहा कि पूरी जांच पूरी होने के बाद फाइनल रिपोर्ट जारी की जाएगी।

पुतिन की भारत यात्राः व्यापार और Su-57 फाइटर जेट्स, क्या होगा चर्चा का विषय?

नई दिल्ली/ जीएनएस। रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय भारत यात्रा पर आज पहुंच रहे हैं। राष्टपति पुतिन का ये दौरा कई मायनों में अहम रहने वाला है। जानकारी के अनुसार, पुतिन भारत की धरती पर करीब 28 घंटे का वक्त व्यतीत करेंगे। ऐसे में इस दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौतों पर बात बनने की संभावना है।

दरअसल, पीएम मोदी गुरुवार को रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के लिए एक प्राइवेट डिनर होस्ट करेंगे। माना जा रहा है कि जिस तरह जुलाई, 2024 में मास्को से बाहर अपने निवास स्थान नोवो-ओगारयोवो में राष्टपति पुतिन ने पीएम मोदी के साथ तकरीबन चार घंटे एकांत में बिताया था, कुछ वैसा ही माहौल गुरुवार को भारतीय प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास स्थान पर होगा।

कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे पुतिन- शुक्रवार को पीएम मोदी और रूस के राष्टपति दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और दोनों नेता इस कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। शुक्रवार को मोदी और पुतिन के बीच होने वाली समिट मीटिंग का फोकस रक्षा संबंधों को बढ़ाना, भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव से बचाना और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों में सहयोग की संभावनाएं रहने की संभावना है।

क्यों अहम मानी जा रही पुतिन की भारत यात्रा- ध्यान दिया जाना चाहिए कि रूस के राष्टपति पुतिन की ये यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब अमेरिका यूक्रेन में युद्ध खत्म करने के लिए कोशिशों में लगा है। हाल में ही अमेरिका के राष्टपति ने दावा किया था कि पुतिन भी ये युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। बता दें कि शुक्रवार को ही 23वें भारत-रूस समिट से पहले पुतिन का औपचारिक स्वागत किया जाएगा।

अमेरिका से तनाव के बीच रूसी राष्टपति की भारत यात्रा- गौरतलब है कि रूस के राष्टपति का भारत दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब अमेरिका ने भारत से आयात होने वाले सामानों पर 50 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया है। इसमें रूसी कच्चा तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत लेवी भी शामिल है। अमेरिका के टैरिफ वाले फैसले के कारण भारत-अमेरिका संबंध शायद पिछले दो दशकों में सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। बताया जा रहा है कि समिट में भारत के रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिकी बैन के असर पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रतिबंधित चाइनीज़ मांझा, नशे व असामाजिक तत्वों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई, ड्रोन पेट्रोलिंग से बढ़ाई निगरानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डीसीपी कुमार प्रतीक के निर्देशन में जोन-2 क्षेत्र में प्रतिबंधित चाइनीज़ मांझा की बिक्री पर रोक लगाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया गया है। सभी थाना प्रभारियों को सख्त सर्चिंग एवं कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नशा करने वालों, शराब पीकर वाहन चलाने वालों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत बनाई जा रही है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह और डीसीपी जोन-2 कुमार प्रतीक के नेतृत्व में यह विशेष अभियान पूरे क्षेत्र में संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, प्रतिबंधित पतंग-धागा (चाइनीज़ मांझा) की बिक्री पर रोक और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देना है।

जोन-2 के सभी थाना क्षेत्रों में प्रतिबंधित मांझा बेचने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। दुकानों, गोदामों और संवेदनशील जगहों पर पुलिस लगातार सर्चिंग कर रही है। थाना मोबाइल द्वारा लाउडस्पीकर से लोगों को जागरूक किया जा रहा है और मोहल्ला मीटिंग्स में भी प्रतिबंधित मांझा के उपयोग से बचने की समझाइश दी जा रही है।

अभियान के दौरान विभिन्न श्रेणियों में की गई कार्रवाई भी उल्लेखनीय रही। पुलिस ने 25 गुण्डा चेक, 18 चाकूबाज, 19 निगरानी बदमाशों की जांच की और 36 संदिग्धों को थाना लाकर पूछताछ की। 41 हॉटस्पॉट और 29 शैडो क्षेत्रों में चेकिंग, 19 बिल्डिंग/मल्टी चेकिंग की गई। एक स्थाई और 14 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए।

वाहन चालकों पर भी सख्त एक्शन जारी है। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 26 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 185 स्ङ्क्र्,ष्ह्ल में प्रकरण दर्ज कर वाहन जब्त किए गए। बिना नंबर प्लेट, तीन सवारी और अन्य यातायात उल्लंघनों पर 27 वाहनों पर कार्रवाई की गई। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 3 व्यक्तियों पर भी कानूनी प्रकरण दर्ज किए गए।

क्षेत्र में ड्रोन पेट्रोलिंग से निगरानी बढ़ाई गई है। भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन के माध्यम से रियल-टाइम स्थिति का पता चल रहा है, जिससे पुलिस की कार्रवाई और अधिक तेज एवं प्रभावी हो गई है।

जोन-2 पुलिस द्वारा जनता के साथ संवाद और भरोसे को मजबूत करने के लिए मोहल्ला मीटिंग्स व जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिकों को नशे के दुष्परिणाम, अपराध नियंत्रण और सुरक्षित समाज निर्माण के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। किसी भी घटना या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी देने हेतु डायल-112 और क्राइम वॉच हेल्पलाइन नंबर 7049108283 साझा किए गए।

अभियान में पुलिस उपायुक्त जोन-2 कुमार प्रतीक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह, एसीपी विजयनगर राजकुमार सराफ, एसीपी खजराना कुंदन मंडलोई, एसीपी परदेशीपुरा हिमानी मिश्रा सहित सभी थाना प्रभारियों और पुलिस बल ने भाग लिया।

जोन-2 पुलिस ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सुरक्षित समाज निर्माण में जनता की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें–आपकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

रतलाम रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे- रोटरी पीस गार्डन के निर्माण हेतु भूमिपूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ रेल- स्वच्छ भारत अभियान तथा हरित स्टेशन की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल निरंतर नवाचारों एवं सौंदर्यीकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस क्रम में कुछ समय पूर्व रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 4 की ओर स्थित खाली एवं अनुपयोगी स्थान को हेरिटेज गार्डन के रूप में विकसित किया गया था, जिसने स्टेशन परिसर को नया स्वरूप प्रदान किया है। इसी श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए रेलवे द्वारा प्लेटफार्म क्रमांक 4 से फ्रीगंज की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित एक अन्य अनुपयोगी एवं गंदे स्थान जो लगभग 16000 वर्गफुट में फैला है, को भी विकसित करने का निर्णय लिया गया है। यह स्थान अब आकर्षक हरित क्षेत्र में परिवर्तित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण पहल में रोटरी क्लब रतलाम प्रमुख सहयोगी के रूप में शामिल हुआ है, जो इस स्थान को सुंदर एवं शांतिपूर्ण रेलवे- रोटरी पीस गार्डन के रूप में विकसित करेगा। यह गार्डन न केवल स्टेशन की शोभा बढ़ाएगा, बल्कि स्वच्छ एवं हरित रेल की संकल्पना को भी मजबूती प्रदान करेगा। 04 दिसम्बर 2025 को इस गार्डन के निर्माण के लिए विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। समारोह में मंडल रेल प्रबंधक रतलाम श्री अश्वनी कुमार, मंडल के विभिन्न शाखाओं के अधिकारी, रोटरी क्लब रतलाम के अध्यक्ष हरीश वर्मा, सचिव दीपक पंत सहित क्लब के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि ये प्रोजेक्ट रेलवे भी कर सकता था परन्तु मेरे विचार में आया कि जनता के लिए जनता के बीच में से कोई संस्था आगे आ कर ये काम करें तो ये प्रोजेक्ट हमेशा चलता रहेगा। रोटरी क्लब की गतिविधियों और निरंतर चलने वाले प्रकल्पों को देखने के बाद व क्लब के वर्तमान पदाधिकारियों के प्रयास से रतलाम मंडल का ये महत्वपूर्ण कार्य रोटरी क्लब रतलाम को दिया गया है। रतलाम स्टेशन परिसर में विकसित किया जा रहा यह रेलवेङ्करोटरी पीस गार्डन यात्रियों को हरित, स्वच्छ और सौंदर्यपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

मंत्री डॉ. शाह ने क्रांति सूर्य जननायक टंट्या मामा के बलिदान पर की श्रद्धांजलि अर्पित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्रांति सूर्य जन नायक टंट्या मामा के बलिदान दिवस पर इंदौर के खंडवा रोड़ स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. विजय शाह विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन जनजातीय कार्य विभाग इंदौर ने किया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती ठाकुर ने कहा कि केन्द्र सरकार के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारा जा रहा है। इन योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान दिये जा रहे है। संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के सपनों को पूरा किया जा रहा है। संविधान का पालन हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश को आजाद कराने में हमारे जनजातीय समाज के नायकों ने कई प्रकार की भूमिकाएं निभाई है। इसमें क्रांति सूर्य जन नायक टंट्या मामा से लेकर बिरसा मुण्डा, शंकर शाह, तिलक माझी आदि जनजातीय समाज के नायक शामिल है। हमारा कर्तव्य है कि हम जनजातीय समाज की संस्कृति और परम्परा को सुरक्षित रखें। जनजातीय समाज के पर्व-उत्सव और त्यौहारों को हर्षोल्लास के साथ मनायें। इन उत्सवों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में मनाया जा रहा है। जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि जनजातीय समाज का एक गौरवशाली इतिहास है। जो हर जनजातीय समाज के व्यक्ति को जरूर पढ़ना चाहिए। जनजातीय समाज में बिरसा मुण्डा, टंट्या मामा, शंकर शाह, रघुनाथ शाह आदि जन नायक हुए है, जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपना अमूल्य योगदान दिया है। ऐसे जननायकों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जनजातीय समाज की प्रगति और उत्थान के लिये राज्य शासन लगातार कार्य कर रहा है। जनजातीय समाज के बच्चों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में अध्ययन हेतु विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के विद्यार्थियों के लिये इंदौर जिले में प्रशिक्षण केन्द्र और छात्रावास भवन बनाए जायेंगे। इसके लिये बायपास रोड़ पर जमीन चिन्हित कर ली गई है। इन छात्रावासों में ऐसे विद्यार्थी निवास करेंगे जो संघ लोक सेवा आयोग, नीट, आईआईटी जेईई, क्लैट आदि उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होना चाहते है। इसके लिये 25 छात्र और 25 छात्राओं का चयन किया जायेगा। अगले वर्ष से ये छात्रावास संचालित हो जायेंगे। राज्य शासन ऐसे चयनित छात्रों का सम्पूर्ण व्यय स्वयं वहन करेगा। उक्त परीक्षाओं की तैयारियों के लिये जनजातीय समाज के छात्र-छात्राओं को दो वर्ष तक छात्रावास में रह सकेंगे। इंदौर के अलावा इसी तरह के छात्रावास भोपाल, शहडोल, जबलपुर आदि शहरों में भी शुरू किये जायेंगे। मंत्री श्री शाह ने कहा कि जनजातीय समाज के जो छात्र उच्च अध्ययन (पीएचडी) के लिये विदेश में जाना चाहते है उनके अध्ययन का व्यय भी राज्य शासन वहन करेगा। कार्यक्रम में लोक कलाकार प्रदीप चौबे ने जनजातीय समाज के लोकप्रिय गीतों की संगीतमय प्रस्तुति दी। इसके पूर्व क्रांति सूर्य जन नायक टंट्या मामा की जीवन पर केन्द्रित डाक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री मनोज पटेल, सतना के विधायक श्री विक्रम सिंह, श्री गौरव रणदिवे, श्री पंकज टेकाम, डॉ. निशांत खरे, जनजातीय कार्य विभाग के डिप्टी कमिश्नर श्री ब्रजेश कुमार पाण्डे, श्रीमती मनीषा मिश्रा सहित जनजातीय समाज के विद्यार्थी उपस्थित थे।

खजराना में गोदाम आग के बाद कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई, 20 अवैध टीन शेड ढहाए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के खजराना क्षेत्र में बुधवार शाम गोदाम में लगी भीषण आग के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर गुरुवार सुबह कृषि भूमि पर अवैध रूप से बने करीब 20 टीन शेड ध्वस्त कर दिए गए। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री भी मिली, जिसे मौके पर नष्ट कराया गया।

कलेक्टर ने बताया कि यहां संचालित सभी दुकानें पूरी तरह अवैध थीं और किसी भी प्रकार के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था। आग की घटना के बाद पूरे मामले की विस्तृत जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं एसडीएम प्रदीप सोनी ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद इलाके को सील कर दिया गया था। रहवासी इलाके के बीच निजी कृषि भूमि पर अवैध रूप से इन टीन शेड्स का निर्माण कर पटाखों और रसायनों का कारोबार चलाया जा रहा था।

खजराना के पटेल मार्केट स्थित गोदाम में लगी आग में एक गोडाउन और तीन दुकानें जलकर खाक हो गई थीं। यहां शादी और इवेंट में उपयोग होने वाले आतिशबाजी सामग्री का भंडारण किया गया था। आग लगते ही तेज धमाके होने लगे और पटाखे हवा में उड़ते दिखाई दिए। समय रहते फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया, वरना पूरा मार्केट इसकी चपेट में आ सकता था। जांच में पास के अन्य गोडाउन में भी पटाखे और ज्वलनशील रसायन मिले, जिनका उपयोग पायरो तकनीक में किया जाता है।

संयुक्त टीम–प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, इंडस्ट्रियल हेल्थ और प्रदूषण विभाग–ने मौके पर पहुंचकर विस्तृत जांच की। पाया गया कि जब्त सामग्री के भंडारण के लिए किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई थी और न ही भूमि का लैंड यूज़ परिवर्तित कराया गया था। भूमि सलीम पिता अनवर के नाम दर्ज है। बिना अनुमति निर्माण और खतरनाक सामग्री रखने पर उनके खिलाफ एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि इतने दिनों से शहर में अवैध पटाखा कारोबार चलता रहा और पुलिस व नगर निगम को इसकी भनक तक नहीं लगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे कारोबार पुलिस की नजरों से बच नहीं सकते, फिर भी इतना बड़ा अवैध नेटवर्क जारी रहा। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद शहर में अवैध निर्माण और खतरनाक सामग्री रखने वालों पर सख्त कदम जारी रहने की चेतावनी दी गई है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने राजस्व प्रकरण के निराकरण में लापरवाही मिलने पर तीन पटवारियों को किया निलम्बित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तीन पटवारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की है। उन्होंने महू (डॉ. अम्बेडकर नगर) के तीन पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। कलेक्टर श्री वर्मा ने जिन पटवारियों को निलम्बित किया है उनमें श्री आशीष कटारे, श्रीमती अनिता चौहान और श्रीमती मेघा शर्मा शामिल हैं। बताया गया कि इन्होंने अपने कार्य क्षेत्र में राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गंभीर लापरवाही की है। इन्होंने तहसील महू के ग्राम सांतेर (रसलपुरा) में खसरा नंबर 68/1 एवं 69/1 के राजस्व प्रकरण में गंभीर अनियमितता की है। इसको दृष्टिगत रखते हुए उक्त तीनों पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। निलंबन अवधि में इन तीनों का मुख्यालय देपालपुर नियत किया गया है।

उद्यान विकास पर आयुक्त सख्तः हर वार्ड में नर्सरी बनाने के निर्देश, उद्यान सुपरवाइज़र का 7 दिन का वेतन काटा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सुंदरता को और निखारने के लिए नगर निगम आयुक्त दिलीपकुमार यादव ने उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक में कई कड़े निर्देश जारी किए। सिटी बस ऑफिस में आयोजित बैठक में अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, मनोज पाठक, उद्यान अधिकारी शांतिलाल यादव सहित सभी उद्यान सुपरवाइज़र और दरोगा मौजूद रहे।

आयुक्त यादव ने स्पष्ट कहा कि शहर की सुंदरता में उद्यान विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी सुपरवाइज़र अपने-अपने वार्ड–डिवाइडर, ग्रीन बेल्ट, रोटरी और उद्यान–में दिखने लायक काम करें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी कर्मचारी की उद्यान विकास कार्य में रुचि नहीं होगी तो उसका स्थानांतरण सफाई विभाग में कर दिया जाएगा।

बैठक में अनुपस्थित मिले उद्यान सुपरवाइज़र पवन राठौर पर आयुक्त ने सख्ती दिखाते हुए सात दिन का वेतन काटने के निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि अब हर सप्ताह उद्यान विभाग की समीक्षा बैठक होगी और सभी सुपरवाइज़र क्षेत्रीय जोनल अधिकारियों के समन्वय में काम करेंगे।

आयुक्त ने आदेश दिया कि सभी सुपरवाइज़र अपने-अपने क्षेत्र में उद्यान विकास, डिवाइडर, ग्रीन बेल्ट और रोटरी के कार्यों की फोटो सहित एक विस्तृत पीपीटी तैयार करें, जिसमें अब तक किए गए कार्यों के साथ आगे की कार्ययोजना भी शामिल हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि ग्रीन बेल्ट, डिवाइडर या उद्यान में किसी प्रकार का अवैध निर्माण दिखाई दे तो तत्काल कार्रवाई की जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारी जिम्मेदार माने जाएंगे।

इसके साथ ही उन्होंने जोन क्षेत्र की शासकीय खुली भूमि को चिह्नित कर वहां ग्रीनरी और पौधारोपण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। ऐसी खाली भूमि को फेंसिंग कर नर्सरी के रूप में विकसित करने के सुझाव भी दिए। आयुक्त यादव ने कहा कि नर्सरियों में ऐसे पौधे तैयार किए जाएं जो मौसम के अनुरूप हों और कम पानी में भी अच्छी तरह विकसित हों, ताकि डिवाइडर और ग्रीन बेल्ट अधिक घने और आकर्षक दिखाई दें।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि डिवाइडर में अनावश्यक मिट्टी न डाली जाए, क्योंकि इससे मिट्टी बाहर और सड़क पर फैलती है, जो धूल का कारण बनती है। नर्सरी विभाग को पेंटास, चंपा, हायब्रिड और कम पानी में विकसित होने वाले पौधों को प्राथमिकता देने तथा घास के विकल्प तलाशने के निर्देश दिए। आयुक्त की इस बैठक ने स्पष्ट कर दिया कि शहर की सुंदरता और उद्यान विकास को लेकर अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और हर अधिकारी व कर्मचारी से बेहतर और दृश्यमान काम की अपेक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा से की भेंट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा से मध्यप्रदेश में पीपीपी मॉडल पर प्रारंभ होने वाले चार मेडिकल कॉलेज के भूमि-पूजन के लिए आमंत्रण दिया। यह कार्यक्रम इस माह प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश में अन्य क्षेत्रों के साथ स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर जन सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। अभी और चार नए मेडिकल कॉलेज का भूमि-पूजन कार्यक्रम प्रस्तावित है। इन मेडिकल कॉलेजों की स्थापना पन्ना, बैतूल, कटनी और धार में होगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री नड्डा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आंमत्रण को स्वीकार करते हुए सहमति प्रदान की है।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने धार विधानसभा क्षेत्र में SIR अभियान के तहत मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने आज धार विधानसभा क्षेत्र में स्ढ्ढक्र अभियान के तहत पीथमपुर के मतदान केंद्र क्रमांक 281, 263 का निरीक्षण किया और क्चरुह्र से चर्चा कर कार्य के प्रगति की जानकारी ली। इसके अलावा संभागायुक्त ने धरमपुरी विधानसभा क्षेत्र में भी स्ढ्ढक्र अभियान के तहत बगड़ी एवं मांडव के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया व क्चरुह्र एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्रा भी साथ थे।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में दिए गए नवीन निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि वे आयोग द्वारा जारी निर्देशों का अच्छी तरह से अध्ययन कर लें। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ तीन बार मतदाताओं के घर जाएंगे, यह सुनिश्चित करें। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने निर्देशित किया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और अपात्र मतदाता जुड़े नहीं, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही जो व्यक्ति 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहा है, वह भी मतदात सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6, हटवाने के लिए फॉर्म 7 और सुधार या संशोधन के लिए मतदाता को फॉर्म 8 भरना होगा।

इंदौर पुलिस के सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र की बड़ी पहलः 11 मामलों का त्वरित समाधान, 24.65 लाख रुपये दिलवाए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कमिश्नरेट इंदौर द्वारा संचालित सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र आम नागरिकों को आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित न्याय दिलाने में लगातार प्रभावी भूमिका निभा रहा है। मंगलवार को केंद्र में हुई सुनवाई में 31 आवेदनों में से 11 मामलों का तुरंत समाधान कर दिया गया। इनमें से चार प्रकरणों में आवेदकों को कुल 24 लाख 65 हजार रुपये की राशि वापस दिलवाई गई, जिससे उनकी समस्याओं का संतोषजनक निराकरण हो सका।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर संचालित यह केंद्र आपसी लेनदेन, पारिवारिक विवाद, पड़ोसी झगड़े और मामूली सिविल मामलों में बिना कानूनी कार्रवाई के सुलह-सफाई से समाधान निकालने का प्रयास करता है। पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान मिले आवेदनों को केंद्र के माध्यम से निपटाया गया।

निराकरण किए गए मामलों में पलसीकर कॉलोनी निवासी सचिन अग्रवाल को आपसी समझौते के तहत विजय कुमार जैसवानी से 21,57,055 रुपये प्राप्त हुए। इसी तरह मेजेस्टिक नगर के अनीस खान को चंद्रशेखर मीणा से 2,85,000 रुपये, नंदबाग कॉलोनी की मनीषा मोर्य को पल्लवी सोनी से 18,000 रुपये, और परदेशीपुरा निवासी 60 वर्षीय कल्पना को उनके पुत्र प्रवीण से भरण-पोषण के रूप में प्रतिमाह 5000 रुपये दिलवाए गए।

सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र न केवल विवादों को सरलता से हल कर रहा है, बल्कि बिना कोर्ट-कचहरी के लोगों को त्वरित और सस्ता न्याय भी उपलब्ध करा रहा है। इस पहल का बड़ा असर यह है कि वर्ष 2024ङ्क25 में केंद्र ने अब तक 48 मामलों का सफलतापूर्वक समाधान किया है और कुल 2 करोड़ 71 लाख 48 हजार 800 रुपये की राशि आवेदकों को दिलवाकर महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है।

इंदौर पुलिस का यह प्रयास शहर में सौहार्द, आपसी विश्वास और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में एक प्रभावी कदम माना जा रहा है।

जीपीएफ गुमशुदा कटौत्रों के निराकरण के लिये इंदौर-उज्जैन संभाग में लगेंगे शिविर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर द्वारा शासकीय सेवकों के जीपीएफ गुमशुदा कटौत्रे, निष्क्रिय जीपीएफ खाते, पार्ट वांट/फुल वांट एवं अप्रविष्ट मदों के निराकरण के लिये इंदौर एवं उज्जैन संभाग के जिलों में शिविर आयोजित किये जाएंगे। शिविर आयोजन का सिलसिला 15 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 19 ?दिसम्बर 2025 तक चलेगा।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में एवं वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्रीमती मोनिका कटारे के निर्देशानुसार सामान्य भविष्य निधि के गुमशुदा कटौत्रों तथा सामान्य भविष्य निधि जागरुकता से संबंधित शिविर का आयोजन 15 दिसंबर से 19 दिसम्बर 2025 तक कलेक्टर कार्यालय, प्रशासनिक संकूल परिसर,मोती तबेला, इंदौर के कक्ष क्रमांक 112 प्रथम तल में किया जायेगा। यह शिविर संभागीय स्तर पर भी आयोजित होंगे। इसलिए कार्य सुविधा की दृष्टि से इंदौर एवं उज्जैन संभाग के अन्य जिला कोषालयों में शिविरों के आयोजन हेतु तिथियां निर्धारित की गई हैं।

वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्रीमती मोनिका कटाने ने बताया कि इंदौर के साथ ही 15 दिसम्बर को उज्जैन में, 16 दिसम्बर को खण्डवा और आलीराजपुर में, 17 दिसम्बर को बड़वानी और खरगोन में, 18 दिसम्बर को धार और झाबुआ में तथा 19 दिसम्बर को देवास और बुरहानपुर जिला कोषालय में शिविर आयोजित होंगे। शिविर में प्रत्येक आहरण एव संवितरण अधिकारी के प्रतिनिधि को भी आवश्यक रुप से उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया है।

पीएमजेजेवाय एवं पीएमएसबीवाय के तहत सभी पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कर, तीन माह में जिले को सेचुरेटेड करें- श्री चंद्रा

सभी बैंकर्स बीमा योजनाओं में लंबित क्लेम प्रकरणों का तत्काल निराकरण करें- कलेक्टर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सभी बैंक शाखाएं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनाएवं प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना के तहत जिले के शतप्रतिशत पात्र हितग्राहियों का आगामी तीन माह में पंजीयन करवाकर, जिले को सेचुरेटेड करना सुनिश्चित करें। साथ ही इन योजनाओं में बैंक शाखाओं में लंबित क्लेम प्रकरणों का संबंधित बीमा कंपनी से संपर्क, समन्वय कर, तत्काल निराकरण करवाएं। एलडीएम आगामी टी.एल. में लंबित क्लेम प्रकरणों के निराकरण की बैंक शाखा वार जानकारी प्रस्तुत करें। जिले की सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक प्राथमिकता क्षेत्र (प्रायोटी सेक्टर), एग्रीकल्चर टर्म लोन, एमएसएमई क्षेत्र के लिए ऋण बढ़ाए। साथ ही सीडी रेशो बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला स्तरीय बैंकर्स निगरानी एवं समीक्षा समिति की बैठक में स्वरोजगार योजनाओं के लक्ष्योंकी विभागवार पूर्ति की समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, सांसद प्रतिनिधि श्री पी.के.दुबे, नाबार्ड प्रतिनिधि श्री योगेन्द्र सेनी एवं रिर्जव बैंक के प्रतिनिधि श्री मयंक सेमवाल, एलडीएम श्री शीशांतु शेखर एवं जिला अधिकारी तथा बैंक शाखाओं के प्रबंधक उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री जनधन योजना के किशोर श्रेणी में शतप्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होने एसबीआई, बंधन बैंक, सेण्ट्रल बैंकएवं एयू फायनेन्स बैंक के प्रबंधकों को एनपीए कम करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना तहत बैंकों को प्रस्तुत सभी 220 प्रकरणों में स्वीकृति एवं ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अंत्यावसायी को विभागीय योजनाओ में लक्ष्य पूर्ति के बाद भी और दो गुना तैयार कर बैंक शाखाओं को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी बैंकर्स को 15 जनवरी तक एनआरएलएम के सीसीएल ऋण का वितरण करवाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में सहायक संचालक मत्स्य को सभी मछुआ समितियों के सदस्यों, पट्टेधारियों को मछुआ क्रेडिट कार्ड जारी करवाने के निर्देश देते हुए कहा, कि तीन माह में यह सुनिश्चित करें, कि जिले में कोई भी मछुआ सदस्य क्रेडिट कार्ड के लाभ से वंचित ना रहे।

उप संचालक पशुपालन को भी सभी योजनाओं में शतप्रतिशत लक्ष्य अनुरूप प्रकरण तैयार कर बैंकों को प्रस्तुत करने और बैंक शाखाओं से संपर्क कर, जनवरी अंत तक प्रकरण में स्वीकृति एवंवितरण करवाने के निर्देश दिए। परियोजना अधिकारी शहरी विकास को पीएम स्वनिधि योजना के तहत 7 हजार हितग्राहियों के प्रकरण दिसम्बर अंत तक बैंकों को प्रस्तुत कर, स्वीकृत करवाने के निर्देश दिए।

बैठक में पीएमएफएमई योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य 122 के विरूद्ध 84 हितग्राहियों के ऋण प्रकरण स्वीकृत होने और 60 प्रकरणों में हितलाभ वितरण के बारे में बताया गया। उप संचालक उद्यानिकी को निर्देश दिए , कि वे और भी प्रकरण तैयार कर स्वीकृत कर बैंकों को प्रस्तुत करें और फरवरी प्रथम सप्ताह तक इन प्रकरणों में हितलाभ वितरण सुनिश्चित करवाएं। इस योजना तहत बैंक आफ महाराष्ट्र के प्रबंधक श्री आशुतोष शर्मा द्वारा 12 प्रकरण, एक्सीस बैंक द्वारा 10 प्रकरणएवं आईडीआईबी बैंक प्रबंधक द्वारा 5 प्रकरणप्रस्तुत करने का अनुरोध किया है।, जिससे कि वे प्रकरण स्वीकृत कर, हितग्राहियों को लाभांवित कर सके।

मालखेड़ा फंटे के समीप हादसा, असंतुलित होकर पलटा ट्रक,

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मालखेड़ा फंटे के समीप आज एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां आरटीओं विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के चलते एक ट्रक असंतुलित होकर पलट गया। जिसमें भरी अनाज की बोरियां रोड़ पर बिखर गई, और एक बाइक भी ट्रक के नीचे दब गई। ट्रक चालक का कहना है कि, सप्ताह में एक बार वें इस मार्ग से गुजर रहे थे। तो आरटीओं कर्मचारियों द्वारा उनके एक हजार रूपये लिए जाते है, आज भी वे जब यहां से गुजर रहे थे, तो आरटीओं के कर्मचारी उनके सामने आ गई, तो ट्रक के पास में चल रही बाइक और कार को बचाने के चक्कर में ट्रक डिवाइडर पर चढ़ गया, और असंतुलित होकर पलटी खा गया। इस घटना में बाइक सवार दंपत्ति घायल हो गए, जिन्हें एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। मामले में ट्रक चालक ने आरटीओं विभाग के कर्मचारियों पर बड़ी लापरवाही के आरोप लगाएं है। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच पड़ताल शुरू की है।

न्यायालय ने गोह तस्करी मामले में एक अभियुक्त को 3 साल की सजा सुनाई, 10 हजार का भी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन मण्डलाधिकारी संजय रायखेरे द्वारा बताया गया कि सामान्य वनमण्डल मन्दसौर के वन परिक्षेत्र के अंतर्गत बीट बरदल कक्ष पी-06 पित्याखेडी मार्ग पर 18 जून 2015 को दोपहर 02.00 बजे बीट गार्ड नरेन्द्र मालवीय को वन भ्रमण के दौरान तीन व्यक्ति दिखाई दिये। जिन्हें आवाज दी गई और उनके पास जाने का प्रयास किया गया तो वे भागने लगे। दो व्यक्ति मौके से भागने से सफल हो गये एवं एक व्यक्ति लालूनाथ पिता कालूनाथ निवासी पलवई को मौके पर पकड़ा गया, जिसके पास कुल 05 गोह जीवित अवस्था में पाई गई तथा 01 सब्बल व मोटर सायकल हिरो होन्डा क्रमांक स्क्क14-स्त्र5112 जप्त की गई, उक्त सामग्री विधिवत जप्त कर अभियुक्त लालूनाथ को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त से पुछताछ करने पर उसने अपने दो साथी पीरूनाथ पिता हरीसिंग व अर्जुननाथ पिता कालूनाथ दोनों निवासी पलवई का नाम बताया, जिन्हें 23 जून 2015 को गिरफ्तार किया तथा आवश्यक अनुसंधान पूर्ण कर परिवाद पत्र प्रथम श्रेणी न्यायालय, मन्दसौर में वन्यप्राणी (संरक्षण) अधिनियम 1972 के नियमो के विरूद्ध दण्डित किये जाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत किया गया।

प्रकरण में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी द्वारा प्रकरण में निर्णय 17 अगस्त 2023 को पारीत कर अभियुक्त लालूनाथ पिता कालूनाथ पर दोष सिद्ध करते हुवें 03 वर्ष का कठोर कारावास और 10 हजार रूपये अर्थदण्ड की सजा दी गई। उक्त निर्णय के विरूद्ध अभियुक्तगण द्वारा न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गई, जिस पर न्यायालय द्वारा 27 नवंबर 2025 को निर्णय देते हुवें अपील को खारिज कर पूर्व निर्णय को यथावत कर अभियुक्त पीरूनाथ पिता हरीसिंग व अर्जुननाथ पिता कालूनाथ दोनों निवासी पलवई को आरोप से दोष मुक्त किया गया एवं अभियुक्त लालूनाथ पिता कालूनाथ को प्रकरण में दोष सिद्ध कर 03 वर्ष का कठोर कारावास एवं 10 हजार रूपये का अर्थदण्ड देकर सजा दी गई।

मंदसौर में अतिवृष्टि से प्रभावित 15,186 किसानों का 27 करोड़ 47 लाख रूपए बकाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2019-20 में अतिवृष्टि के कारण मंदसौर जिले के किसानों की फसलों को हुए व्यापक नुकसान के मद्देनज़र राहत राशि मंजूर हुई थी, उस समय कुल जिले में 80 करोड़ 8 लाख 46 हजार 518 रुपए की राहत स्वीकृत की गई थी, जिसमें से 52 करोड़ 60 लाख 90 हजार 784 रुपए वितरित कर दिए गए थे, लेकिन विधानसभा क्षेत्र मंदसौर के जहाँ कुल 51,179 किसान प्रभावित थे, उनमें से 15,186 किसान अब तक राहत राशि से वंचित रहे हैं। इन किसानों के लिए कुल 27 करोड़ 47 लाख 55 हजार 734 रुपए की शेष राशि बकाया है। कई साल बीतने के बाद भी यह राशि उनके खातों में नहीं डाली गई। कांग्रेस से मंदसौर विधायक विपिन जैन ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया। उन्होंने राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा से तारांकित प्रश्न के माध्यम से अनुरोध किया कि शेष बकाया राशि शीघ्र स्वीकृत हो और प्रभावित किसानों के खातों में ट्रांसफर कर दी जाए । उन्होंने कहा कि उस समय राहत राशि व मुआवजा राशि के अन्य भाग बाद में स्वीकृत एवं वितरित हो चुके हैं इसलिए अब उन 15,186 किसानों को भी राहत राशि मिल जानी चाहिए। प्रश्न के जवाब में यह बताया गया कि बकाया राशि वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर दी जाएगी। विधायक विपिन जैन ने आग्रह किया है कि प्रशासन एवं सरकार इस मांग पर संज्ञान लें और तत्काल भुगतान सुनिश्चित करें, ताकि 2019-20 में आपदा प्रभावित हुए किसान भी राहत राशि का लाभ प्राप्त कर सकें। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने दी।

नीमच के अशासकीय स्कूल में विधिक अधिकार, कर्तव्य एवं साइबर सुरक्षा पर विशेष सत्र आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा नीमच के एक अशासकीय स्कूल में गुरुवार को विशेष कानूनी साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) श्री आलोक कुमार सक्सेना तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशेष न्यायाधीश श्री आलोक कुमार सक्सेना ने विद्यार्थियों को कानूनी जागरूकता के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने विधिक अधिकारों की जानकारी होना आवश्यक है, साथ ही अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के संयमित और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया । उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से मोटर वाहन अधिनियम, पोक्सो अधिनियम, साइबर क्राइम, ऑनलाइन फ्रॉड, किशोर न्याय अधिनियम सहित अनेक विधिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि या घटना की जानकारी तुरंत पुलिस या संबंधित प्राधिकरण को दें। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को निःशुल्क विधिक सहायता, टेली-काउंसलिंग, मध्यस्थता की प्रक्रिया तथा तत्काल सहायता हेतु टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 की जानकारी दी। उन्होंनेकहा कि महिला, बच्चौ, दिव्यांगजनो, एससी/एसटी तथा अन्य पात्र श्रेणी के नागरिकों को पूरी तरह निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर भी विशेष न्यायाधीश श्री सक्सेना ने दिए और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर डॉ. गरिमा चौरसिया, प्रिंसिपल श्री सुशील कुमार, श्री. ऋषभ नाहटा सहित स्कूल के शिक्षक,कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। यह जानकारी जिला विधिक सहायता अधिकारी नीमच द्वारा दी गई है।

आधा किलो एमडी व 5 किलो डोडाचूरा बरामद, यशोधर्मन थाना पुलिस ने एक आरोपी पकड़ा, एक फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यशोधर्मन थाना निरीक्षक शिवांशु मालवीय एवं उपनिरीक्षक हेमंत शर्मा तथा उनकी टीम ने मादक पदार्थ आधा किलो एमडी ड्रग्स एवं 5 किलो डोडाचूरा बरामद किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करना बताया गया है, जबकि दूसरे नामजद को फरार बताया है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार 02 दिसंबर को यशोधर्मन थाना पर मुखबीर सूचना मिली, जिस पर कार्रवाई कर दबिश दी गई महू-नीमच हाईवे पर बंद पडे हिन्दुस्तान पट्रोल पम्प के पास धरपकड़ कर हुडई आई.20 कार क्रमांक MP-09 AC-0077 के चालक दशरथ पिता पुनमचंद कुमावत उम्र 31 साल निवासी डोराना थाना नई आबादी मंदसौर को रोका। उसके आधिपत्य वाली कार से 500 ग्राम अवैध मादक प्रदार्थ एमडी व 05 किलोग्राम डोडाचूरा मिला। मौके पर आरोपी से भागने वाले व्यक्ति के संबध में पूछते वाहिद पिता मुमताज मंसूरी निवासी डोराना थाना नई आबादी का बताया। मादक प्रदार्थ के स्त्रोत के संबंध में आरोपी से पूछताछ जारी होकर फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। एमडी कीमती 20 लाख रुपये व डोडाचूरा कीमती 10 हजार रूपये आंकी गई है। इस सराहनीय कार्य में प्रआर कौशल प्रताप सिंह, आशीष शुक्ला, आरक्षक दीपक मीणा, राजेन्द्र वर्मा, नवाज शरीफ व यशोधर्मन थाना टीम का योगदान रहा ।

पत्रकारिता जगत के वरिष्ठ स्तंभ पारसमल लोढ़ा का निधन

उनका व्यक्तित्व धर्म कर्म और कर्तव्य से परिपूर्ण था, शोकसभा में श्रद्धांजलि दी गई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी और पत्रकारिता जगत के वरिष्ठ स्तंभ, लोढ़ा परिवार के अग्रज श्री पारसमल लोढ़ा का गुरुवार 4 दिसंबर को दोपहर निधन हो गया। आप विगत कुछ दिनों से अस्वस्थ थे। इंदौर और मंदसौर में उपचार रत भी रहे और विगत दो दिनों से अपने निवास पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। गुरुवार दोपहर उन्होंने अंतिम सांस ली उनके निधन के समाचार से सकल जैन समाज पत्रकारिता जगत और सर्व समाज में शोक की लहर छा गई। दैनिक ध्वज के प्रबंधन में विगत लगभग 60 वर्षों से भी अधिक आप पूरी सक्रियता के साथ संलग्न रहे। आपकी अंतिम यात्रा में नगर के गणमान्य जन, जैन समाज, सर्व समाज और पत्रकारिता से जुड़े अनेक महानुभाव सम्मिलित हुए। मुखाग्नि लोढ़ा परिवार के सर्व श्री सुरेंद्र लोढ़ा उनके पुत्र द्वय संजय और सतीश लोढ़ा तथा नरेश, अजय ओर सुधीर लोढ़ा ने उन्हें मुखाग्नि दी। शोक सभा में वक्ताओं ने कहा कि श्री पारसमल जी लोढ़ा धर्म कर्म और कर्तव्य की त्रिवेणी थे। उनका सहज स्नेहिल व्यवहार सभी को प्रभावित करता था। वे एक कुशल प्रबंधक के साथ ही परिवार, समाज और स्नेही जनों में अपने अनुभव और कर्मठता से सदैव अपने कर्तव्य के प्रति तत्पर रहते थे। धर्म के प्रति उनकी आघात निष्ठा थी परिवार और समाज के प्रति भी उनका इतना ही समर्पण था।

गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य में अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर हुआ चीता मित्र संवाद कार्यक्रम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य में अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर चीता मित्रों से संवाद बैठक ईको सेंटर रामपुरा पठार पर आयोजित की गई। अधीक्षक गांधीसागर द्वारा चीता मित्रों को गांधीसागर वन्यजीव अभ्यारण्य चीता प्रोजेक्ट से होने वाले लाभों के बारे में बताया गया। वन मंडलाधिकारी मंदसौर संजय रायखेरे द्वारा बताया गया कि चीतों के पुर्नवास से गांधीसागर में पर्यटन में वृद्धि होगी, जिससे स्थानीय रोजगार में वृद्धि होगी चीतों के संरक्षण हेतु जनजागरूता फेलाने तथा चीतों का मानव के प्रति व्यवहार के बारे में भी मार्गदर्शीत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में ईको विकास समिति के सदस्य ग्राम रावलीकुडी एवं पीएल रायकवार गेम रेंज अधिकारी पूर्व गांधीसागर एवं पराग सेनानी गेम रेंज अधिकारी पश्चिम गांधीसागर उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक सिसौदिया ने एसपी को भेजी चिट्ठी : एमडी का झूठा प्रकरण बनाकर फँसाने वाले पुलिसकर्मी बर्खास्त किए जाएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर 60 ग्राम एमडीएम का झूठा प्रकरण बनाकर निर्दोष व्यक्ति को जेल भेजने के आरोप में दो पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभागीय जांच में दोषी पाए गए अधिकारियों पर की गई कार्रवाई नरम है, जबकि उनका कृत्य गंभीर श्रेणी का अपराध है।

पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने पुलिस अधीक्षक मंदसौर को पत्र लिखकर दो पुलिस अधिकारियों पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि दोनों पुलिसकर्मियों ने षड्यंत्रपूर्वक मल्हारगढ़ङ्कनीमच के बीच स्थित मक्खन ढाबे से कोटड़ी इस्तमुरार, तहसील जीरन निवासी निलेश पिता हरीश को पकड़ा और मंदसौर के प्रतापगढ़ चौराहे पर 60 ग्राम एमडीएम बरामद दिखाते हुए कोतवाली मामला दर्ज किया गया। निलेश को 26 जुलाई 2022 को जेल भेजा गया था। वह करीब 2 वर्ष 5 माह जेल में बंद रहा। उसकी जमानत 18 दिसंबर 2024 को मंजूर हुई और वह रिहा हुआ। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। पूर्व विधायक सिसौदिया ने कहा कि विभागीय जांच में एसआई जितेन्द्रसिंह चौहान और आरक्षक चालक रोहित चाकरे को दोषी माना गया, जिसके बाद उनकी एक वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोकी गई है, जो फौरी सजा के समान है। पत्र में सिसौदिया ने सवाल उठाया और कहा कि 60 ग्राम एमडीएम कहां से आया और दोनों अधिकारियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की गई। पत्र में सिसौदिया ने कहा कि यदि जांच में दोनों अधिकारी दोषी पाए गए हैं, तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई आवश्यक है। इसलिए दोनों अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त करने का प्रस्ताव पुलिस पुलिस महानिदेशक (डीजीपी)मुख्यालय भोपाल को भेजा जाए, ताकि भविष्य में किसी अधिकारी द्वारा मादक पदार्थों के नाम पर झूठा प्रकरण बनाकर निर्दोष लोगों को फँसाने की हिमाकत न हो।

गुजरात स्पेशल क्राइम ब्रांच ने 10 वर्ष पुराने एनडीपीएस प्रकरण में बारदान व्यापारी को किया गिरफ्तार

पांच दिन पहले पुत्र की भी हो चुकी है राजस्थान में गिरफ्तारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी में गुरुवार शाम उस समय सनसनी फैल गई जब गुजरात स्पेशल क्राइम ब्रांच की टीम ने टीलाखेड़ा क्षेत्र से स्थानीय बारदान व्यवसायी मनमोहन माली को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई करीब 10 वर्ष पुराने एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में की गई है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में पकड़ाए 21 क्विंटल डोडाचूरा तस्करी के मामले में भी व्यापारी के पुत्र की गिरफ्तारी कुछ दिनों पूर्व ही हुई थी। सूत्रों के अनुसार गुजरात की टीम पिछले तीन दिनों से गुपचुप तरीके से पिपलियामंडी में मौजूद थी। गुरुवार शाम टीम अचानक मनमोहन माली के आवास पर पहुँची और कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। इसके बाद टीम उन्हें लेकर पिपलियामंडी पुलिस चौकी पहुँची। घटना की जानकारी मिलते ही नगर परिषद् अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील देवरिया और सभापति प्रतिनिधि कमल तिवारी भी पुलिस चौकी पहुँचे तथा अधिकारियों से व्यापारी को ले जाने का कारण जानना चाहा। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी करीब 10 वर्ष पुराने एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में की गई है, परंतु मामले की गोपनीयता के चलते इससे अधिक जानकारी देने से इंकार कर दिया।

राजस्थान पुलिस पांच दिन पूर्व पुत्र को कर चुकी गिरफ्तार- इस पूरे प्रकरण से जुड़ी कहानी पांच दिन पूर्व शुरू हुई थी। 24 नवम्बर को राजस्थान की आसींद पुलिस ने कपास की आड़ में हो रही डोडाचूरा तस्करी का बड़ा खुलासा कर 21 क्विंटल मादक पदार्थ से भरा एक ट्रक और तीन आरोपियों को पकड़ा था। पूछताछ में आरोपियों ने यह डोडाचूरा पिपलियामंडी निवासी रवि उर्फ रविन्द्र पिता मनमोहन माली के गोदाम से भरवाना स्वीकार किया था। इस आधार पर जांच कर रही गंगापुर पुलिस ने रविन्द्र को गिरफ्तार किया। बाद में 29 नवम्बर 2025 को गंगापुर पुलिस रविन्द्र को लेकर पिपलियामंडी के टीलाखेड़ा क्षेत्र में पहुँची, जहाँ जिस गोदाम से डोडाचूरा भरवाया गया था, उसकी गहन जांच की गई। साथ ही रवि के पेट्रोल पंप सहित संबंधित ठिकानों पर भी सर्च कार्रवाई हुई थी। रवि की गिरफ्तारी के बाद पांच दिन के अंतराल में उसके पिता मनमोहन माली की गिरफ्तारी से नगर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। हालाँकि गुजरात स्पेशल क्राइम ब्रांच ने मामले को लेकर किसी भी अतिरिक्त जानकारी का खुलासा नहीं किया है। टीम गुरुवार शाम को ही व्यापारी को गुजरात ले गई, जहाँ 10 वर्ष पुराने मामले से संबंधित आगे की कानूनी प्रक्रिया की जाएगी। नगर में लगातार दो बड़ी गिरफ्तारियों ने माहौल को गर्मा दिया है, और लोग यह जानने को उत्सुक हैं कि आने वाले दिनों में इस प्रकरण में और कौन-कौन से नए खुलासे हो सकते हैं।

जनता को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है- कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जल जीवन मिशन तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा की गई। बैठक में उन्होंने कहा कि जिन ग्रामों की नल-जल योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, उन्हें तत्काल संबंधित ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किया जाए, ताकि ग्रामवासियों को पेयजल मिल सके और उन योजनाओं का नियमित संचालन एवं रखरखाव सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्माणाधीन योजनाओं की प्रगति में गति लाने और उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो कार्य लंबे समय से लंबित हैं, उनकी स्पष्ट समय-सीमा तय कर नियमित समीक्षा की जाए और किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा संचालित नल-जल योजनाओं का समय पर मरम्मत एवं रखरखाव किया जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्राम पंचायतों से जल कर की राशि नियमित रूप से संग्रहित करने तथा योजनाओं के वित्तीय प्रबंधन को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कार्यस्थलों का नियमित निरीक्षण करने और ठेकेदारों को समय पर कार्य पूर्ण करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनता को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में उन्होंने प्रत्येक गांव में संचालित पेयजल योजनाओं की वर्तमान स्थिति, पेयजल की उपलब्धता, आपूर्ति, पेयजल की गुणवत्ता, गांव मे नल कनेक्शन की स्थिति, योजना का संचालन और जल कर राशि की वसूली के संबंध में समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण भी प्राथमिकता से करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी जनपदवार योजनावार समीक्षा के दौरान अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

सम्पादकीय

जीवन के मूल में परमार्थ, जीनें का यही सच्चा यथार्थ

जीवन का मूल्य उसकी लम्बाई में नहीं, बल्कि उसकी गहराई में निहित होता है। किसी मनुष्य ने कितने वर्ष जिए, यह इतिहास को उतना महत्वपूर्ण नहीं लगता, जितना जीवन के मूल में परमार्थ,जीनें का यही सच्चा यथार्थ।

जीवन लक्ष्य होगा सार्थक।यह कि उसने अपने जीवन से मानवता को क्या दिया, कितनों के आँसू पोंछे, कितनों के अंधेरों में दीप जला सका। यही भाव परमार्थ है।अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर, दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाना। जब जीवन परमार्थ के लिए समर्पित हो जाता है, तभी उसका मूल्य वास्तव में सार्थक होता है।

मानव जन्म केवल सुख-सुविधाओं को भोगने का नाम नहीं है। यह आत्म-विकास, आत्म-उद्धार और समाज-निर्माण की प्रक्रिया है। मनुष्य यदि केवल अपने लिए जिए, अपने सुख-दुख, लाभ-हानि, सम्मान अभिमान के ईर्द-गिर्द अपने दिन रचे, तो जीवन एक संकुचित दायरे में सिमट जाता है। परंतु यदि वही मनुष्य अपना मन, अपनी बुद्धि, अपनी शक्ति, अपना समय दूसरों के हित में अर्पित कर दे, तो एक व्यक्ति नहीं, एक युग बदल सकता है। महान लोग इसलिए महान कहलाए, क्योंकि उन्होंने अपनी सीमाओं के भीतर भी दूसरों के लिए असंभव को संभव कर दिया।

इसी सत्य को समझाते हुए स्वामी विवेकानंद कहा करते थे– जीवन का लक्ष्य केवल स्वयं को सुखी करना नहीं, बल्कि दूसरों के लिए उपयोगी बनना है। उनके जीवन का सम्पूर्ण दर्शन 'सेवा' की पवित्रता पर आधारित था। उन्होंने युवा शक्ति को पुकारते हुए कहा–उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। यह लक्ष्य केवल भौतिक उन्नति का नहीं, बल्कि परमार्थ मानवीय कर्तव्य का लक्ष्य है। विवेकानंद के शब्दों में वह शक्ति है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण कर्मों की ओर प्रेरित करती है। इसी आस्था को महात्मा गांधी ने अपने जीवन में रूपायित किया। सत्य, अहिंसा और सेवा के बल पर उन्होंने सम्पूर्ण मानवता के सामने एक ऐसी जीवन पद्धति प्रस्तुत की जिसमें व्यक्तिगत हित राष्ट्रहित में विलीन हो जाता है। उन्होंने कहा था– अपने आपको खोजने का सबसे श्रेष्ठ तरीका है स्वयं को दूसरों की सेवा में खो देना। गांधी का जीवन इस सूत्र का जीवंत उदाहरण है। साधारण वस्त्र और साधारण जीवन में भी वह असाधारण बन गए, क्योंकि उनका प्रत्येक क्षण परमार्थ के लिए समर्पित था।

राष्ट्र कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने लिखा है-

मनुष्य का मूल्य उसके अधिकारों में नहीं, उसके कर्तव्यों में है।

कर्तव्य और परमार्थ मनुष्य को दैवी ऊँचाई पर प्रतिष्ठित कर देते हैं। इतिहास के पन्नों में दर्ज वे ही नाम आज भी प्रेरणा बनते हैं जो दूसरों के लिए जिए–मदर टेरेसा, राजा राममोहन राय, विनोबा भावे, बाबा आम्टे, डॉक्टर अब्दुल कलाम, आचार्य विनोबा भावे, और अनेक अनाम सेवक जिन्होंने बिना किसी प्रतिफल की प्रतीक्षा किए मानवता की रक्षा के लिए अपना जीवन अर्पित किया।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम किसी पद या सम्मान से नहीं, बल्कि अपनी मानवीय संवेदना से महान बने। भारत के मिसाइल मैन कहे जाने वाले कलाम ने कहा था– जीवन एक पुस्तक की तरह है; यदि आप दूसरों के लिए उपयोगी नहीं तो वे पृष्ठ खाली हैं। अपने अंतिम क्षणों तक वे युवा पीढ़ी के लिए कार्य करते रहे। उनका जीवन सिखाता है कि उपलब्धियों से बड़ा है सेवा का भाव।

भारतीय संस्कृति में परमार्थ की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' की संत परंपरा आज भी हमें प्रेरित करती है। कबीरदास ने समाज की पीड़ा को आत्मसात किया और कहा-

साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय,
सार-सार को गहि रहे, थोथा देई उड़ाय।

यानी मनुष्य वही श्रेष्ठ है, जो सार्थक कार्य करे और निरर्थक का त्याग दे। वही परमार्थ का मार्ग है।

मनुष्य का जीवन निस्संदेह क्षणभंगुर है; पर उसके कर्म अमर होते हैं। कोई व्यक्ति भौतिक दृष्टि से अत्यंत संपन्न हो सकता है, किंतु यदि उसका अस्तित्व समाज में कोई प्रकाश नहीं फैलाता, तो उसकी संपत्ति केवल उसके उसके अकेले के लिए बेकार भार बन जाती है। दूसरी ओर, एक साधारण मनुष्य भी जो दूसरों के लिए उपयोगी बन जाता है, इतिहास की स्मृति में सदा जीवित रहता है। मनुष्य की मृत्यु शरीर का अंत है, पर उसके परोपकार की सुगंध पीढ़ियों तक बनी रहती है।

जीवन का सार यही है कि हर सुबह यह सोचकर उठें कि आज किसी की खुशियों का कारण बनें। किसी दुखी की पीड़ा बांटें, किसी अनाथ के सिर पर हाथ रखें, किसी निराश मन में आशा जगाएं, किसी जरूरतमंद को नई राह दिखाएं। एक जलती हुई दीपक की ज्योति दूसरे दीये को जलाती है और स्वयं कम नहीं होती बल्कि प्रकाश अधिक हो जाता है। यही परमार्थ है। जो स्वयं प्रकाशवान हो, और दूसरों को प्रकाशित कर जाए।

संचार साथी ऐपः अपेक्षा है निजता बनाम सुरक्षा के बीच संतुलन की

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में एक विचित्र प्रवृत्ति विकसित होती दिख रही है, जहाँ सत्ता द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम को विपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। संचार साथी ऐप को लेकर इन दिनों इसी प्रकार का विवाद एवं विरोध का वातावरण बना हुआ है। केंद्र सरकार की यह सोच कि हर नए स्मार्टफोन में इस ऐप को अनिवार्य किया जाए, विपक्ष ने इसे निजता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए कठोर शब्दों में चुनौती दी और संसद के शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और इससे व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढने की आशंकाएं व्यक्त की है। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। सरकार ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल इसे स्वैच्छिक बना दिया है अर्थात जो चाहे ऐप को रखे, जो चाहे उसे हटाए। परंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठा दिया है कि क्या हम केवल विरोध की राजनीति में वास्तविक चुनौतियों और आवश्यकताओं को भुला रहे हैं? वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है। सरकार का सही कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है।

विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है। जब डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय अखंडता, आर्थिक व्यवस्था, सामरिक रहस्य और सामाजिक शांति पर संकट मंडराते हों, तो सरकार को हस्तक्षेप करना नैतिक रूप से उचित ही नहीं, बल्कि आवश्यक हो जाता है। अमेरिका, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन-सभी देशों के पास निगरानी आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ हैं। क्या उनकी लोकतांत्रिक संरचनाएँ इस कारण क्षीण हो गई? नहीं, क्योंकि निगरानी और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया गया। भारत को भी इसी संतुलन की आवश्यकता है। यह सही है कि किसी भी डिजिटल ऐप में निगरानी का वहनीय स्वरूप रखना चाहिए, जिससे नागरिक की व्यक्तिगत जिंदगी पर अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। सरकार ने भी यही स्पष्ट किया है कि संचार साथी नागरिक के निजी जीवन में दखल नहीं देना चाहता, बल्कि उसे साइबर अपराध, हैकिंग, धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा, एवं डिजिटल आतंकवाद से बचाने हेतु काम करेगा। विडंबना यह है कि विपक्ष इस ऐप को 'निष्ठा परीक्षण', 'मनोवैज्ञानिक निगरानी' और 'गोपनीयता हनन' का उपकरण बताकर भय पैदा कर रहा है, जबकि पूर्व में स्वयं उनकी सरकारें समान तंत्र विकसित कर चुकी हैं, चाहे वह आधार डेटा सुरक्षा हो, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हों या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के निगरानी प्रोटोकॉल। सवाल यह है कि यदि अपराधी, आतंकवादी, अलगाववादी, साइबर गैंग्स संगठित डिजिटल हथियारों का उपयोग कर रहे हैं, तो क्या सामान्य नागरिकों को असुरक्षित छोड़ दिया जाए? क्या यह लोकतंत्र का तकाज़ा है कि सरकार देखती रहे और समाज अपराध की प्रयोगशाला बन जाए? वास्तव में यह संकट केवल भारत का नहीं, विश्व का है। आज की दुनिया में जो राष्ट्र डिजिटल नियंत्रण तंत्र विकसित नहीं करता, उसकी सुरक्षा दीवारें कागज़ की नाव जैसी सिद्ध होती हैं। इसलिए यह कहना कि संचार साथी ऐप अनावश्यक या दमनकारी है, वस्तुस्थिति से आंखें मूंद लेने जैसा है। निश्चित रूप से एक सवाल उठता है, क्या ऐप डेटा सुरक्षा की गारंटी देगा? यह बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न है। सरकार को इस ऐप के उद्देश्य और डाटा संचालन नीति को पारदर्शी रूप में सार्वजनिक करना चाहिए। यदि इस पर स्वतंत्र ऑडिट हो, निजता सुरक्षा प्रावधान हों, दुरुपयोग को रोकने वाली न्यायिक निगरानी हो तो विरोध स्वतः समाप्त हो जाएगा। परंतु विपक्ष का विरोध नीतिगत सुधारों की दिशा में न होकर केवल राजनीतिक अवसरवाद प्रतीत होता है। यह भी सही है कि नागरिकों की चिंताएँ निराधार नहीं, भारत में डेटा सुरक्षा कानून अभी भी परिपक्व नहीं है, डिजिटल संरचनाएँ जवाबदेही की दृष्टि से मजबूत नहीं हैं। अतः संचार साथी के विकास के साथ-साथ देश में निजता सुरक्षा कानूनों को और अधिक कठोर, दंडात्मक एवं न्यायिक रूप से संरक्षित बनाने की आवश्यकता है। यदि इस ऐप के कार्यों पर दृष्टि डालें तो उसके पीछे सोच यह है कि मोबाइल संचार के माध्यम से होने वाले अपराधों की पहचान, रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग को व्यवस्थित किया जा सके। यह व्यक्ति की निगरानी का उपकरण कम और अपराध नियंत्रण की प्रणाली अधिक है। भारत में साइबर अपराधों में प्रति वर्ष 63 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की जा रही है, लाखों लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार बन रहे हैं, बैंकिंग ठगी से लेकर सोशल मीडिया मनोवैज्ञानिक अपराधों तक का दायरा बढ़ रहा है। क्या सरकार की चुप्पी इन अपराधियों को खुला मैदान नहीं दे देती? इसलिए संचार साथी जैसे कदमों का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा का विस्तार है, न कि लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का संकुचन।

कठोर सत्य यह है कि राष्ट्र केवल अधिकारों पर आधारित नहीं होते, जिम्मेदारियों और सुरक्षा तंत्रों पर भी टिके होते हैं। एक नागरिक के रूप में हम यह अपेक्षा करते हैं कि हमारा डेटा सुरक्षित हो, हमारा पैसा सुरक्षित हो, हमारा देश सुरक्षित हो परंतु जब सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, तो हम विरोध में खड़े हो जाते हैं। यह राजनीतिक अधिक है, जहाँ हम एक विश्वव्यापी सिद्धांत को भूल जाते हैं कि ÷स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ ही टिक सकती है।÷ इसलिए संचार साथी ऐप पर संतुलित दृष्टि ही सार्थक है। सरकार को उसकी संरचना पारदर्शी, उत्तरदायी और कानून नियंत्रित रखनी चाहिए, और विपक्ष को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि डिजिटल भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ केवल नारे से हल नहीं होंगी, बल्कि तकनीकी सुरक्षा तंत्रों से ही नियंत्रण संभव होगा। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, परंतु रचनात्मक आलोचना, जिसमें सुधार की मांग होती है, न कि केवल अस्वीकरण। यदि राजनीतिक वर्ग इस बहस को इसी दिशा में ले जाए, तो संचार साथी ऐप न केवल विवादित विषय रहेगा बल्कि डिजिटल सुरक्षा के लिए नागरिक-हितकारी उपकरण के रूप में स्थापित भी होगा।

निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके। अंततः यह समझना होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और निजता-दोनों अनिवार्य हैं। चुनौती इन्हें संतुलित करने की है, न कि किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की। यदि यह संतुलन नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ बने, तो संचार साथी ऐप देश के डिजिटल भविष्य की सुरक्षा का सेतु बन सकता है। विरोध की राजनीति नहीं, समझ और समाधान की राजनीति आज की आवश्यकता है, यही इस ऐप की वास्तविकता और उपयोगिता को समझने की दिशा है।

–ललित गर्ग

गुरुमुख से निकली अमृतवाणी का अनुसरण ही श्रेष्ठतम भक्ति है

मूल ध्यान गुरु रूप है, मूल पूजा गुरु पाँव
मूल नाम गुरु वचन है, मूल सत्य सतभाव॥

सहजयोग" बात करता है ध्यान की, निर्विचार समाधी" की। आज के विज्ञान युग को जानेवाले इस कलियुग में 'योग', 'ध्यान' , 'आत्मसाक्षात्कार', 'निर्विचार समाधी' या 'कुंडलिनी जागरण' ये सारी बातें आपको कपोल-कल्पित लग सकती हैं। कुंडलिनी जागरण के बारे में अनेक किंवदंतियां समाज में फैली हुई हैं। परंतु भगवद्गीता कहती है, 'श्रध्दावान लभते ज्ञानम्' अर्थात् जिस किसीके हृदय में अपनी आत्मा के प्रति श्रध्दा होगी उसे ही आत्मज्ञान प्राप्त होगा। संत कबीर कहते हैं,ध्यान का मूल गुरु का ध्यान है, पूजा का मूल गुरु चरणों की पूजा है, गुरु के अमृतवचन सभी प्रकार के नामजपों से श्रेष्ठ हैं और यदि साधक को आत्मसाक्षात्कार, या सत्य का साक्षात्कार पाना है तो उसे साक्षात्कार के प्रति जिज्ञासा होनी चाहिये। किसी साधक के मन में जब आत्मासाक्षात्कार प्राप्त करने की मनीषा यानि कि शुद्ध इच्छा जब जाग्रत होती है तो वह सोचता है, मैं कौन हूं ? मेरा इस धरती पर आने का प्रयोजन क्या है? क्या मेरे जीवन का उद्देश्य खाना - पीना, भौतिक सुविधाएं प्राप्त कर आराम से रहना इतने तक ही सीमित है? ऐसे प्रश्न जब साधक के मन में उमड़ पड़ते हैं , तो वह 'स्व' की खोज में निकलता है। उस 'स्व' की प्राप्ति के लिए वो अनेकों साधन करता है। उस स्व को प्राप्त करना जब उसकी प्राथमिकता बनती है तब गुरु उसके ऊपर अपनी कृपा की वर्षा करते हैं। परमपूज्य श्री माताजी निर्मलादेवी प्रणित सहजयोग में आप गुरुकृपा रूपी इस प्रसाद को ग्रहण कर सकते हैं। ऐसा कहा जाता है कि, .. Words of sages comes from heaven...इस उक्ति की साक्षात् अनुभूति हम लेते हैं, जब हम श्री माताजी के अमृतवचन अपने सहस्त्रार चक्र से ग्रहण करते हैं 7 जिस किसी ने आत्मानंद को पाया उसकी सारी बुरी आदतें, व्यसन, अन्य विनाशकारी आदतें सहजयोग से छूट जाती हैं। परमपूज्य श्री माताजी कहते हैं, कुंडलिनी मां साधक को गुरुत्व प्रदान करती हैं । इस स्थिति के बाद साधक सच्चे और झूठे गुरुओं के बीच का अंतर जान सकता है। इस प्रकार जब कोई साधक हर दिन के नियमित ध्यान से गहनता प्राप्त करता है तब वह स्वयं गुरु बन जाता है और दूसरों को इस गुरुपद पर आरोहित कर सकता है। ज्योति से ज्योति जलाने की इस बेला में हमें आत्मविश्वास से श्री माताजी के इस महान विश्व निर्मल धर्म स्थापित करने के स्वप्न को आगे ले जाना है । श्री माताजी कहते हैं, जब मानव में गुरुत्व शक्ति आती है, धर्म जाग्रत होता है, तब छोटे बच्चे भी संत कबीर जैसी सत्यवाणी निर्भयता से बोल सकते हैं। जिस आदमी में गुरुत्व जाग्रत होता है तब उसका माथा उन्नत होता है, चेहरा तेजस्वी और वृत्ति निरासक्त बन जाती है, वह स्वयंप्रकाशित हो जाता है और क्षमाशील भी ।

जलसेना की गर्जनाः आजाद हिंद फौज से नौसैनिक विद्रोह तक

भारतीय सेना का नाम लेते ही हमारे सामने अनुशासित, पराक्रमी और सुसज्जित सैनिकों की जीवंत छवि साकार होती है, जो कभी बख्तरबंद टैंकों में सवार होते हैं, कभी वायुयानों में आकाश को चीरते हैं और कभी विशाल समुद्री युद्धपोतों पर गर्व से खड़े दिखाई देते हैं। यह दृश्य युवाओं में उत्साह, साहस और देशभक्ति की भावना जगाता है। सेना केवल एक पेशेवर करियर नहीं, बल्कि एक ऐसे जीवन का अवसर है जहां रोमांच, अनुशासन, जोश और राष्ट्र की रक्षा का भाव बखूबी व्यक्त होता है। उत्साह से भरे युवा मन के लिए सेना एक ऐसा क्षेत्र है, जहां संघर्ष, समर्पण और त्याग की वास्तविक अनुभूति होती है, और जहां जीवन के अनुभव असाधारण और प्रेरणादायक बन जाते हैं।

भारत की सैन्य संरचना तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिन्हें थलसेना, वायुसेना और जलसेना कहा जाता है। इन तीनों का महत्व समान है और किसी भी अंग को दूसरे से नीचे नहीं आंका जा सकता। आधुनिक सैन्य कौशल, अद्यतन शस्त्र-प्रणालियों और अद्वितीय वीरता के साथ भारतीय सेना विश्व में सम्मानित स्थान रखती है। भारतीय नौसेना के इतिहास में विराट और विक्रांत जैसे प्रसिद्ध युद्धपोत स्वर्णिम उपलब्धियों के साक्षी रहे हैं, जिन्होंने समुद्री सुरक्षा और राष्ट्रीय सामरिक शक्ति को निरंतर मजबूत किया।

भारतीय नौसेना का इतिहास केवल स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नहीं शुरू होता, बल्कि वह उससे पहले की कई घटनाओं से गहराई से जुड़ा है। विशेष रूप से वर्ष 1946 का नौसैनिक विद्रोह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक अनदेखी परंतु अत्यंत निर्णायक घटना है। यह वह समय था जब अंग्रेज सरकार ने आजाद हिंद फौज के सैनिकों और अधिकारियों को बंदी बनाया और उन पर ब्रिटिश भारतीय सेना के शपथ-भंग का आरोप लगाया। यह मुकदमा दिल्ली के लाल किले में चलाया गया, जिसने देश की भावना को झकझोर दिया। तीन वरिष्ठ अफसर, ढिल्लन, सहगल और शाहनवाज को मृत्युदंड दिया गया। यह समाचार देशभर में रोष, आक्रोश और अपमान की अनुभूति का कारण बना। रॉयल इंडियन नेवी के भारतीय नाविकों ने इस निर्णय को मूक पीड़ा की तरह स्वीकार तो किया, परंतु वे इसे भीतर पचा नहीं सके। ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा अपमानजनक भाषा, नस्लीय भेदभाव और अनुचित व्यवहार लंबे समय से भारतीय सैनिकों को पीड़ा पहुंचाता रहा था। इन दबे हुए घावों और राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा की भावना ने उनके भीतर प्रतिरोध का ज्वालामुखी जगाया, जो फरवरी 1946 में मुंबई में फूट पड़ा। सबसे पहले बंबई डाक पर तैनात भारतीय नाविकों ने ब्रिटिश अधिकारियों के असभ्य व्यवहार के विरोध में राशन लेने और परेड में शामिल होने से इंकार कर दिया।

–सुरेश सिंह बैस

इंसानियत गुम, व्यवस्था मौन – फिर हुआ एक कैदी फरार

इंदौर मप्र के एमवाय अस्पताल से कैदी विशाल का फिल्मी अंदाज़ में फरार होना भले ही सनसनीखेज़ लगे, लेकिन इसकी परतें हमारे सिस्टम की गहरी टूट-फूट को साफ़ उजागर करती हैं। इंदौर जिला अदालत से फरार कैदी विशाल की ओर से आत्मसमर्पण के लिए आवेदन दिया गया जिसमें फरार कैदी विशाल की ओर से बताया –इलाज के दौरान मेरी पत्नी मिलने आई थी, लेकिन पुलिस ने मिलने नहीं दिया। उल्टा अपशब्द कहकर भगा दिया। उसी अपमान और आहत मन से 'पुलिस को सबक सिखाने' की ठानकर मैं भागा। उसकी यह बात केवल एक कैदी की व्यथा नहीं, बल्कि उस संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतिबिंब है जो इंसानी भावनाओं को अक्सर प्रक्रियाओं और कठोरता के नीचे दबा देती है। हालाँकि, सच्चाई कई परतों में दबी होती है–उसका कथन कितना सही है, यह तो जाँच के बाद ही स्पष्ट होगा अस्पताल में इलाज के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा उसे पत्नी से मिलने से रोकना और उस पर अभद्र भाषा का प्रयोग करना–यह आरोप चौंकाने से ज़्यादा चिंतित करता है। हमारे समाज में अक्सर यह गलत धारणा देखी जाती है कि कैदी होने का मतलब सारे अधिकार खो देना है। जबकि कानून व्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित करता है, उसकी इंसानियत या सम्मान नहीं। यदि पुलिस इस मूलभूत अंतर को समझने में ही असफल रहे, तो खोट कानून में नहीं, उसके रखवालों की सोच में है। ऐसी सोच न सिर्फ व्यवस्था को कलंकित करती है, बल्कि यह बताती है कि कहीं न कहीं वर्दी का कठोरपन मन की संवेदनाओं पर भारी पड़ चुका है।

क्या हमारी पुलिस को यह बुनियादी मानवीय फर्क समझाने का, संवेदनशीलता सिखाने का, और अधिकारों की मर्यादा समझाने का पर्याप्त प्रशिक्षण मिलता है? कटु सत्य ये है–नहीं। और इसी नहीं ने आज देशभर की पुलिस-व्यवस्था में एक ऐसी खाई बना दी है जहाँ नियम तो कड़े हैं, पर संवेदना नदारद है। वर्षों से विशेषज्ञ लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि पुलिस प्रशिक्षण का स्वरूप बदलना होगा–उसे बल आधारित नहीं, मन-व्यवहार आधारित, मानवाधिकार केंद्रित, और संवेदनशीलता पर टिके ढांचे में ढालना होगा। जब तक पुलिस केवल कठोरता और शक्ति सीखती रहेगी, पर संवेदनशीलता और संयम नहीं–ऐसे हादसे अपवाद नहीं, दोहराई जाने वाली त्रासदियाँ बनेंगे।

चार दिन तक गायब रहने वाले कैदी ने अदालत में बताया कि पुलिसकर्मियों के व्यवहार ने उसे इतना आहत किया कि उसने सिस्टम को सबक सिखाने का मन बना लिया। चिंताजनक यह है कि अस्पताल जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगह से एक कैदी यूँ ही ओझल हो जाता है और पुलिस चार दिनों तक उसके निशान तक नहीं पा पाती। यह महज़ सुरक्षा में चूक नहीं–यह व्यवस्था की सुस्ती, लापरवाही और ढीली पड़ती जिम्मेदारी का सीधा सबूत है। और जब जिम्मेदारी सो जाए, तो अपराधी नहीं–तंत्र खुद कटघरे में खड़ा दिखाई देता है।

एक आरोपी को इलाज के दौरान अपनी पत्नी से मिलने से रोक देना–आखिर यह किस कानून में लिखा है? कानून सीमाएँ तय करता है, भावनाएँ नहीं कुचलता। लेकिन जब पुलिस का रवैया मनमानी और कठोरता की हदें पार करने लगे, तो अपराधी और पीड़ित के बीच की रेखा धीरे-धीरे धुंधली पड़ने लगती है। यहाँ भी वही हुआ–एक कैदी अस्पताल के बिस्तर पर बीमारी से कम, और पुलिस की असंवेदनशीलता से मिले अदृश्य घावों से ज़्यादा लड़ रहा था। यह घटना बताती है कि कभी-कभी सबसे गहरे घाव हथकड़ियाँ नहीं, व्यवहार दे जाते हैं।

चार दिन बाद कैदी विशाल का खुद अजाक अदालत पहुँचकर आत्मसमर्पण कर देना यह बड़ा संदेश देता है कि सिस्टम चाहे जितना कठोर और असंवेदनशील क्यों न हो जाए, कानून पर भरोसे की लौ अब भी बुझी नहीं है। लेकिन क्या हर बार व्यवस्था इतनी किस्मतवाली होगी कि आरोपी स्वयं आकर अपने अपराधों का हिसाब सौंप दे? असली संकट तो तब खड़ा होता है जब पुलिस का व्यवहार ही अपराध को जन्म देने लगे–क्योंकि फिर सवाल उठता है, न्याय की मांग आखिर किस दरवाज़े पर की जाए?

पुलिस ने जांच बिठाने की बात तो कही है–अस्पताल की सुरक्षा में कहाँ कमी रह गई? ड्यूटी पर मौजूद कर्मियों का व्यवहार कैसा था? क्या कैदी के साथ कोई अनुचित स्थिति बनी? सवाल कई हैं, पर हमारे यहाँ जांच अक्सर सच को सामने लाने की बजाय उसे परतों में सहेज देने का माध्यम बन जाती है। असली चिंता यह है कि जब जांच का दायरा संदेहों को मिटाने की जगह उन्हें अनुत्तरित ही छोड़ दे, तो न्याय का रास्ता धुंधला पड़ने लगता है। क्योंकि व्यवस्था पर भरोसा तभी टिकता है, जब जांच केवल औपचारिकता न होकर, सच्चाई तक पहुँचने का साहस भी रखे।

कैदी होना किसी मनुष्य के अधिकारों को समाप्त नहीं करता; यह केवल उसकी स्वतंत्रता को सीमित करता है। इसलिए पुलिस को सिर्फ कठोरता नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और मानवीय समझ का प्रशिक्षण चाहिए। अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था मज़ाक बनने के लिए नहीं, बल्कि मानक और जवाबदेही पर आधारित होने के लिए होती है। और जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी, किसी भी सुधार की संभावना सिर्फ ख़याल भर रह जाएगी। कभी-कभी व्यवस्था की छोटीङ्कसी ढिलाई ही इतना बड़ा रूप ले लेती है कि वह स्वयं अपराध से भी अधिक भयावह दिखाई देने लगती है।

जब तक सिस्टम के भीतर मानवीयता की लौ फिर से नहीं जलेगी, ऐसे फरार यूँ ही होते रहेंगे–और हम बस हैरानी में खड़े रह जाएंगे। यह उस तंत्र की दास्तान है जिसने शक्ति के घमंड में इंसानी पीड़ा सुनने की क्षमता खो दी है; उस पुलिस व्यवस्था की कहानी है जो यूनिफ़ॉर्म की कठोरता को संवेदनहीनता का कवच बनाकर हर व्यवहार को ड्यूटी का नाम दे देती है; और उस समाज का चेहरा है जो हर घटना पर क्षणभर ठहरकर अगले ही दिन चुपचाप पन्ना पलट देता है। जब तक व्यवस्था में इंसानियत दोबारा जागेगी नहीं, तब तक फरार सिर्फ कैदी नहीं–हमारी संवेदनाएँ, हमारी जवाबदेही और हमारा विवेक होंगे।

–प्रो. आरके जैन

'अर्घ्य दान की तृप्ति': समाज-संवाद की चिंतनशील कृति

डॉ. सुजाता दास मीठी द्वारा रचित 'अर्घ्य दान की तृप्ति' लेखिका के भाव, विचार और वैचारिक प्रतिबद्धता का अनूठा संग्रह है। यह मात्र लेखों का संकलन नहीं है, बल्कि यह मनुष्य और समाज के बीच प्रवाहित उन संवेदनाओं का अभिलेख है जो सामान्यतः हमारे दैनिक अनुभवों में होती तो हैं, मगर अभिव्यक्ति की प्रतीक्षा में दबकर रह जाती हैं। इस कृति में लेखिका ने अपने विचारों को पाठकों तक उसी प्रकार पहुंचाया है, जैसे सूर्य अर्घ्य दान से तृप्त होता है–मन की पूर्णता, कृतज्ञता और शांत संतुष्टि के साथ।

डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक अर्घ्य दान की तृप्ति जिसके लेखिका डॉ. सुजाता दास मीठी है उनकी कृति की प्रस्तावना और भूमिका में लेखिका ने जिस भाव के साथ अर्घ्य और तृप्ति के बीच का दार्शनिक संबंध स्थापित किया है, वह अत्यंत प्रभावशाली है। सूर्य को ऊर्जा, प्रकाश और चेतना का स्रोत मानकर समाज को सूर्य के स्वरूप में देखना तथा उन विषयों पर विचार-आलेखन करना जो समय के साथ उष्ण होकर सामाजिक विकृतियों का कारण बनते हैं, इस दृष्टिकोण से लेखिका की संवेदनशीलता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का परिचय मिलता है। इस विवेचन के माध्यम से पाठक को तुरंत यह अनुभव होता है कि यह लेखन मात्र बौद्धिक अभ्यास नहीं है, बल्कि आत्मानुभूत साहित्य है।

कहा जाता है कि लेखिका वह है जो देखता सबके समान है, पर सोचता सबके अलग; और इस दृष्टिकोण से देखें तो डॉ. सुजाता दास मीठी का चिंतन एक दार्शनिक सामाजिक दृष्टि का परिचायक है। देशप्रेम, अनुशासन, समय-प्रबंधन, नारी सशक्तिकरण, शोर-प्रदूषण, प्रतिस्पर्धा, डिजिटलीकरण–ये सभी विषय हमारे समय के ही नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक मानस की पड़ताल के भी विषय हैं। ये आलेख पाठक के मन में विचारों की लहर उठाते हैं और व्यक्ति को अपने आचरण, व्यवहार तथा सामाजिक उत्तरदायित्व पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कृति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सहज भाषा और स्पष्ट भावाभिव्यक्ति है। लेखिका अपनी बात को जटिल शास्त्रीय तर्कों से नहीं, बल्कि सादे उदाहरणों से समझाती हैं। भीतर से निकला हुआ अनुभव जब शब्द लेता है तो वह सीधे पाठक के हृदय में उतरता है–इस पुस्तक में इस अनुभव को बार-बार महसूस किया जा सकता है।

लेखिका की पृष्ठभूमि–एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी होने का अनुभव–उनके लेखन में एक संतुलित अनुशासन और सामाजिक समझ के रूप में परिलक्षित होता है। समाज के विविध वर्गों से प्रत्यक्ष संपर्क तथा व्यवहारिक जीवन का अनुभव उनके चिंतन में गहराई और वास्तविकता प्रदान करता है। ऐसा विरल ही देखने को मिलता है कि प्रशासनिक सेवा में कार्यरत व्यक्ति सामाजिक दर्शन और रचनात्मक साहित्य के क्षेत्र में इतनी परिपक्वता के साथ योगदान दे।

पुस्तक की एक और उल्लेखनीय शक्ति है उसमें निहित 'अंतःकथा'–चाहे वह आकाशवाणी रायपुर में प्रसारण का प्रसंग हो, चिंतन कार्यक्रम की स्वीकृति हो, या लेखिका द्वारा अपने भाई, गुरुजन और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करना–ये सब भाग पाठक को लेखिका के निजी संसार से जोड़ते हैं और इस कृति को भावनात्मक संप्रेषण की ऊँचाई तक पहुँचाते हैं। पुस्तक के कुछ अंश आत्मकथात्मक से लगते हैं, लेकिन वे आत्माभिव्यक्ति से अधिक प्रेरक हैं, आत्मप्रचार से अधिक आत्मविकास की दिशा में हैं।

कृति में सम्मिलित विषयों का विन्यास पाठक को क्रमशः एक यात्रा पर ले जाता है–पहले व्यक्ति और परिवार की भावनात्मक संरचना, फिर सामाजिक चरित्र, और अंततः राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना की ओर। विशेष रूप से देश प्रेम, गुरु, भारतीय पर्व, प्रतिस्पर्धा, जीवन की सार्थकता जैसे अध्याय भारतीय सामाजिक संरचना की मूलभूत भावनाओं का अत्यंत सुंदर प्रतिबिंब हैं। इस पुस्तक की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि यह केवल समस्या का संकेत नहीं करती, बल्कि अंत में समाधान की ओर भी दृष्टि देती है। लेखिका शिकायत नहीं करतीं, वह संवाद प्रस्तावित करती हैं; वह निराशा नहीं, आशा बोती हैं; वह अंधकार का वर्णन नहीं, प्रकाश की ओर संकेत करती हैं।

–उमेश कुमार सिंह

मिट्टी मौन है, पर संकट मुखर - हम कब जागेंगे?

हर सुबह जब सूरज की पहली किरण धरती के देह पर पड़ती है, हममें से शायद ही कोई ठहरकर यह सोचता है कि हमारे पैरों तले बिछी मिट्टी सिर्फ धूल का ढेर नहीं–एक धड़कता, सांस लेता, बहुस्तरीय ब्रह्मांड है। वही मिट्टी, जिसके भीतर अनगिनत अदृश्य जीव पलते हैं; जो हमारे भोजन का कण उगाती है; जो जल की हर बूंद को छानकर जीवनदायी बनाती है; जो पेड़ों को थामे रखती है और पृथ्वी के सूक्ष्म से विशाल हर चक्र को संतुलित करती है। विश्व मृदा दिवस हमें झकझोर कर याद दिलाता है कि यह मिट्टी वह अनसुनी, अनदेखी और लगभग भुला दी गई नायिका है, जिसके बिना कोई सभ्यता नींव नहीं पा सकती और कोई भविष्य आकार नहीं ले सकता।

दरअसल, मिट्टी निर्जीव कणों का ढेर नहीं– यह एक जीवित, जटिल और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र है, जहां हर कण में जीवन की कहानी चलती है। एक मुट्ठी स्वस्थ मिट्टी में जितने सूक्ष्मजीव होते हैं, मानव जाति की कुल संख्या भी उनके आगे छोटी पड़ जाए। यही सूक्ष्मजीव, फंगी, केंचुए और जड़ें मिलकर एक अदृश्य संगीत रचते हैं–जो पौधों की वृद्धि, जल चक्र, पोषक तत्वों के प्रवाह और धरती की उर्वरता का पूरा तंत्र चलाता है। लेकिन विडंबना यह है कि यही मिट्टी आज सबसे भीषण संकट से गुजर रही है। हर पाँच सेकंड में एक फुटबॉल मैदान जितनी उपजाऊ मिट्टी हमारे हाथों से फिसलती जा रही है–कटाव, अंधाधुंध खेती, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की भेंट चढ़कर।

मानव इतिहास पर नजर डालें तो सभ्यताएँ मिट्टी की गोद में ही जन्मी और पनपी हैं। सिंधु घाटी की पकी ईंटें, मिस्र के पिरामिडों की नींव, माया सभ्यता की खेती–सब कुछ मिट्टी के भरोसे था। पर विडंबना यह है कि जिस मिट्टी ने हमें सभ्य बनाया, आधुनिकता की अंधी रफ्तार में हमने उसी को कभी न खत्म होने वाला संसाधन समझकर बेरहमी से निचोड़ डाला। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइज़ेशन की रिपोर्ट साफ चेतावनी देती है–दुनिया की लगभग 33त्र मिट्टी पहले ही क्षरण की चपेट में है। भारत में स्थिति और भी गंभीर है–हर साल 5.3 अरब टन उपजाऊ मिट्टी नदियों में बहकर या मरुस्थलीकरण की गिरफ्त में आकर खो जाती है। इतना ही नहीं, देश के अनाज भंडार कहे जाने वाले पंजाब और हरियाणा में भी मिट्टी का जैविक कार्बन 0.1-0.3त्र तक गिर गया है, जबकि स्वस्थ मिट्टी के लिए कम से कम 2त्र आवश्यक माना जाता है–यह गिरावट सिर्फ संख्या नहीं, आने वाले खतरे की स्पष्ट घंटी है। हमने मिट्टी को खेतों की एक 'उत्पादन मशीन' समझ लिया–जितना खाद डालो, उतना उगाओ। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के लगातार प्रयोग ने मिट्टी के भीतर के जीव-जगत को लगभग सुन्न कर दिया।

–धनंजय राजौरा

पुलिस उपमहानिरीक्षक, उज्जैन रेंज नवनीत भसीन का देवास जिले का निरीक्षण एवं समीक्षा दौरा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस उपमहानिरीक्षक उज्जैन रेंज नवनीत भसीन देवास जिले के आधिकारिक भ्रमण पर पहुँचे । भसीन ने सर्वप्रथम जिला कंट्रोल रूम स्थित सभागार में जिले के सभी राजपत्रित एवं प्रमुख पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की । बैठक में उन्होंने आगामी त्यौहारों, भीड़-भाड़ वाले आयोजनों एवं वर्षांत के दौरान बढ़ने वाली कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की । उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि

संवेदनशील क्षेत्रों पर सतत निगरानी रखी जाए ।

गश्त व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जाए ।

लंबित एवं गंभीर प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किए जाए ।

उन्होंने अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा,सायबर अपराध की रोकथाम तथा सामुदायिक पुलिसिंग को ओर प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक सुझाव भी प्रदान किए ।

बैठक उपरांत भसीन ने थाना बैंक नोट प्रेस का भ्रमण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना भवन,अभिलेख,सीसीटीव्ही व्यवस्था,मालखाना,थाना रिकॉर्ड तथा साफ-सफाई की स्थिति का परीक्षण किया । उन्होंने कहा कि थानों को जनता के लिए सहज, सुरक्षित एवं विश्वासपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए । इस अवसर पर उन्होंने थाना प्रभारी एवं उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों से चर्चा कर उन समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली,जिनका समाधान प्रशासनिक स्तर पर किया जा सकता है ।

दौरे के अंतिम चरण में पुलिस उपमहानिरीक्षक ने यातायात प्रबंधन को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 'यातायात जागरूकता रथ' का फ्लैग ऑफ किया । यह रथ शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को ट्रैफिक नियमों का पालन करने,हेलमेट एवं सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग,ओवरस्पीडिंग से बचने तथा सड़क सुरक्षा के अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं के प्रति जागरूक करेगा । भसीन ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जनजागरूकता सबसे प्रभावी उपाय है और पुलिस का यह अभियान जनता के व्यापक हित में निर्णायक भूमिका निभाएगा ।

अपने पूरे दौरे के दौरान भसीन ने देवास पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस बल को सतर्कता, संवेदनशीलता और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे ।

पालन करने वालों को किया प्रोत्साहित, उल्लंघन करने वालों के बनाए चालान

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यातायात पुलिस ने गुरुवार सुबह ट्रैफिक पाइंट पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान यातायात पुलिस द्वारा 35 लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। वहीं जिन्होंने सीट बेल्ट, हेलमेट लगाए उन्हें यातायात पुलिस ने गुलाब भेंटकर प्रोत्साहित किया।

अभियान के दौरान बड़ी संख्या में यातायात पुलिसकर्मी मौजूद रहे। उन्होंने बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, गलत दिशा में वाहन चलाने और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों को रोका। पुलिस ने उन्हें समझाइश देने के साथ-साथ चालान भी काटे। वहीं जो वाहन चालक पूरी तरह से यातायात नियमों का पालन करते पाए गए उन्हें यातायात पुलिस की ओर से प्रोत्साहन के तौर पर गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया। यातायात थाना प्रभारी सौरव शुक्ला ने बताया कि नियमों का पालन करने वालों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जबकि नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में प्रदेश में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने के कारण सड़क हादसों में मौतों का आंकड़ा बढ़ा है। इसी को देखते हुए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर शाजापुर पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा।

उम्मीद पोर्टल सर्वर डाउन, नहीं हो रहे काम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शाहिद मोदी पूर्व अध्यक्ष वक्फ कमेटी देवास ने वक्फ बोर्ड भोपाल को जिलाधीश के माध्यम से पत्र भेज कर बताया कि शासन (अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय) द्वारा वक्फ सम्पतियो को उम्मीद पोर्टल पर दर्ज किये जाने का आदेश प्रदान किया गया था जिसके पालन में ग्राम तहसीलध्जिला.देवास सर्वे पर स्थित मस्जिद, मदरसा, कब्रिस्तान इमामबाड़ा, दरगाह कमेटी को उम्मीद पोर्टल पर दर्ज करवाने हेतु विगत कई दिनो से लगातार प्रयास किया जा रहा है। शासन द्वारा जारी उम्मीद पोर्टल पर लगातार कई दिनो से सर्वर की परेशानी होने के कारण दस्तावेज अपलोड नहीं हो रहे है और सबंधीत वक्फ सम्पति का इन्द्राज किया जाने में काफी परेशानी आ रही है और साईट लगभग कई दिनो से काम नहीं कर रही है। हमारे द्वारा समस्त प्रयास किये जाने के पश्चात भी उम्मीद पोर्टल पर रजिस्टेशन प्रकिया पूर्ण नही हो पा रही है और रजिस्टेशन नही हो पा रहा है। जबकि हमारे द्वारा वक्फ रजिस्टेशन किये जाने का पुरा प्रयास किया जा रहा है। आपके द्वारा शासन से उक्त उम्मीद पोर्टल पर सर्वर की सुचारू सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की मांग का एकमात्र विकल्प बचा है कारण की शासन के द्वारा 5 दिसम्बर 2025 अंतिम समय रजिस्टेशन का दिया है ऐसी स्थिति में यदि 5 दिसम्बर तक से सर्वर की परेशानी रही तो वक्फ सबंधी रजिस्टेंशन नहीं हो पायेगा। इसलिये उक्त दिनांक को भी आगे बडाया जाना आवश्यक है।

कलेक्टर ने कृषि उपज मंडी का किया निरीक्षण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना ने शाजापुर कृषि उपज मंडी समिति का निरीक्षण कर 24 अक्टूबर से 17 नवम्बर तक कृषको को भावान्तर भुगतान योजना के तहत भुगतान की गई राशि की जानकारी प्राप्त की। कृषि उपज मण्डी सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि शाजापुर जिले के जिले के 20137 कृषकों को 30.73 करोड़ रुपये का भुगतान उनके आधार लिंक (डीबीटी) बैंक खाते में किया गया हैं।

कलेक्टर ने मंडी सचिव को निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में सोयाबीन की रिसाइक्लिंग नहीं होना चाहिये, इसकी विशेष निगरानी रखें। साथ ही कोई भी व्यापारी, कृषको के पंजीयन पर सोयाबीन का भावान्तर भुगतान योजना में विक्रय नही करें। कलेक्टर ने प्रतिदिन के सोयाबीन के मॉडल भाव की जानकारी भी प्राप्त की। मंडी में सोयाबीन विक्रय का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने वर्तमान में प्रचलित भाव एवं सोयाबीन की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनीषा वास्कले, उप संचालक कृषि आरएल जामरे, मंडी सचिव भगवानसिंह परिहार एवं मंडी समिति के कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित देवास द्वारा आचार्य विद्यासागर योजना में 75 प्रकरणों में 4 करोड़ 62 लाख 50 हजार रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित देवास द्वारा कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में अकृषि ऋण एवं मध्यमकालीन कृषि ऋणों में योजना के प्रकरणों की स्वीकृति एवं वितरण किया गया है। कलेक्टर सिंह के मार्गदर्शन में आचार्य विद्यासागर योजना में 78 प्रकरणों में चार करोड़ 62 लाख 50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित देवास परमजीत सिंह पुरी ने बताया कि विगत वर्षो से जिले के लगभग 01 लाख 78 हजार कृषकों को सतत रूप से सेवाएं प्रदान की जा रही है। बैंक द्वारा इसी परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश शासन की आचार्य विद्यासागर गोसंवर्धन योजना के अधीन जिले में सर्वाधिक 78 प्रकरणों में 04 करोड़ 62 लाख 50 हजार की राशि स्वीकृत की गई है, जो कि उज्जैन संभाग में सर्वाधिक है। साथ ही बैंक द्वारा वाहन ऋण, व्यक्तिगत ऋण, टेक्टर ऋण, मछलीपालन, पशुपालन ऋण कृषि यंत्र ऋण भी स्वीकृत किये जा रहे है। बैंक से संबंद्ध सहकारी संस्थाओं के पात्र कृषक सदस्यों को यदि ऋण की आवश्यकता है, तो वे अपनी नजदीकी सहकारी संस्था एवं समीपस्थ शाखा में संपर्क कर आवेदन कर सकते है।

ऋण वितरण प्रक्रिया को आसान करने के लिए बनाया कंट्रोल रूम- मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित देवास ने देवास जिले के किसानों को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित देवास से कृषि यंत्रों एवं कृषि ऋण वितरण समयावधि में व सुविधापूर्ण तरीके से किए जाने के उ?द्देश्य से तथा किसानों को ऋण वितरण में होने वाली समस्याओं के निराकरण करने की दृष्टि से जिला बैंक देवास में नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) बनाया गया हैं। जिले के किसान ऋण वितरण की संपूर्ण प्रकिया की जानकारी प्राप्त करने, ऋण संबंधी जानकारी व अन्य संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए कन्ट्रोल रूम में नंबर 0755-2840615 एवं मोबाइल नम्बर 92855-08005 पर संपर्क कर सकते हैं।

नर्मदा का जल नगरवासियों तक पहुंचाने शुरू हुई कवायद

नपा ने शुरू किया 16 किमी की नई पाइप लाइन डालने का काम

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में नर्मदा नदी का पानी पहुंचाने के लिए कवायद चल रही हैं। इसके लिए लालघाटी पर जहां इंटकवेल और पानी की टंकी का निर्माण कार्य जारी हैं। इसी क्रम में अब नगर पालिका द्वारा नगर में 16 किमी की पाइप लाइन डालने का कार्य प्रारंभ कर पाईपों को डालने का काम शुरू कर दिया गया है।

नगर में नर्मदा नदी का पानी लाने के लिए लंबे समय से प्रक्रिया चल रही हैं। जिले के मक्सी तक तो नर्मदा नदी का पानी पहुंच गया हैं। शाजापुर में पानी पहुंचाने के लिए नगर पालिका द्वारा निर्माण कराए जा रहे हैं। क्योंकि नगर में सबसे ज्यादा जरुरत पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए हैं। ऐसे में नर्मदा परियोजना के तहत शाजापुर में नर्मदा नदी का पानी लाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करके पाइप लाइन डाली गई। नगरीय क्षेत्र में नर्मदा का पानी स्टोरेज करने के लिए साधन नहीं होने के कारण इसकी लाइन को शाजापुर नगर की ओर नहीं खोला गया हैं। ऐसे में अब चल रहे पानी की टंकी और फिल्टर प्लांट के निर्माण पूर्ण होने पर यहां नर्मदा नदी का पानी आएगा। जिसे नगर में प्रदाय किया जाएगा। पानी की टंकी और फिल्टर प्लांट के निर्माण के साथ ही नपा द्वारा नगर में करीब 16 किमी की पाइप लाइन भी डाली जाएगी। क्योंकि नगर में कई स्थानों पर डाली हुई पाइप लाइन बरसों पुरानी हो चुकी हैं। जिससे कई बार पाइप लाइन फुटने की परेशानी भी आती हैं। ऐसे में नपा द्वारा नगर में करीब 16 किमी की पाइप लाइन भी डाली जाएगी। जिससे जल वितरण में कोई परेशानी नहीं आए। इसी क्रम उक्त पाइप लाइन के पाइप को आपस में जोड़ने का काम शुरू कर दिया गया है।

पुराने समय के संसाधनों से जल वितरण में होती है परेशानी- नपा को पुराने समय में तैयार किए गए जल वितरण के साधनों से नगर में जल वितरण करने में परेशानी हो रही हैं। ऐसे में नपा द्वारा इस व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके चलते नपा द्वारा कुछ समय पूर्व जल शुद्धिकरण केंद्र में बनाएं गए बड़े फिल्टर प्लांट की तकनीकी खामियों को दूर करके इसे प्रारंभ किया गया। इसके साथ ही पूर्व में यूआइडीएसएसएमटी योजना के तहत बनाई गई पानी की टंकियों को भी प्रारंभ किया गया। हालांकि अभी-भी नगर के बढ़ते क्षेत्रफल और आबादी के मान से नपा के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। ऐसे में अब नपा द्वारा नगरवासियों को जल वितरण करने के लिए और ज्यादा साधन जुटाए जा रहे हैं। इसी क्रम में वर्तमान में नपा द्वारा नगर पालिका कार्यालय के समीप और लालघाटी पर ही पानी की टंकी का निर्माण किया जा रहा हैं।

इनका कहना है- लालघाटी पर नर्मदा नदी के पानी के लिए फिल्टर प्लांट का निर्माण किया जा रहा। नगर में 16 किमी की पाइप लाइन डाली जाएगी। इसके लिए पाइप लाइन को आपस में जोड़कर इसे डालने का कार्य प्रारंभ किया गया हैं। प्रयास है कि दिसंबर 2026 तक नगर में घर-घर तक नर्मदा नदी का पानी पहुंचाया जा सके।

- प्रेम जैन, अध्यक्ष, नगर पालिका-शाजापुर

आबकारी विभाग ने अवैध रूप से शराब पिलाने वाले रेस्टोरेंट को किया बंद

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्रीमती मंदाकिनी दीक्षित के मार्गदर्शन में आबकारी देवास द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है जिसमें देवास शहर में स्टेशन रोड,गजरा गियर चौराहा एवं कालूखेड़ी में स्थित अवैध रेस्टोरेंट जहाँ पर शराब पिलाई जाती है जिसकी सूचना मिलने पर सहायक आबकारी आयुक्त महोदय के निर्देश पर तीनों स्थानों पर संचालित ऐसे रेस्टोरेंट जहाँ अवैध रूप से बैठाकर शराब पिलाई जाती है उनको बंद किया गया, इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी उक्त कार्यवाही में वृत्त प्रभारी दिनेश भार्गव, प्रेम यादव एवं आबकारी स्टाफ सम्मिलित रहे, इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट ने आरोपी विक्रम उर्फ विक्की मालवीय को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर अर्थदंड भी लगाया है और पीड़िता के पुनर्वास के लिए प्रतिकर की अनुशंसा भी की है।

आरोपी विक्रम उर्फ विक्की (22 वर्ष) ग्राम जरखी जिला शाजापुर का निवासी है। उसे पाक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 500 रुपए का अर्थदंड दिया गया। इसके अतिरिक्त, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 में 10 वर्ष का कठोर कारावास और 500 रुपए अर्थदंड, बीएनएस की धारा 87 में पांच वर्ष का कठोर कारावास और 500 रुपए अर्थदंड और बीएनएस की धारा 127(2) में 500 रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया। जिला मीडिया सेल प्रभारी प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि पीड़िता ने 17 नवंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता के अनुसार वह अपने माता-पिता को खेत पर खाना देने जा रही थी। तभी आरोपी विक्रम सिंह वहां आया। आरोपी उसे नशीला पदार्थ खिलाकर जबरन अपने घर ले गया। घर के अंदर उसने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। नशीला पदार्थ दिए जाने के कारण पीड़िता विरोध नहीं कर पाई थी। पुलिस ने विवेचना के दौरान पीड़िता और गवाहों के बयान दर्ज किए। संपूर्ण विवेचना के बाद पुलिस ने अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने 9 गवाह और 21 दस्तावेज प्रस्तुत किए। न्यायालय ने इन साक्ष्यों पर विश्वास करते हुए आरोपी के खिलाफ आरोप प्रमाणित पाए और दोषसिद्धि का निर्णय सुनाया। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी जिला लोक अभियोजन अधिकारी शाजापुर के प्रदीप कुमार भटेले ने की। न्यायालय ने अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य और तर्कों से सहमत होते हुए यह फैसला दिया।

भोपाल गैस त्रासदी की स्मृति में बैंक नोट मुद्रणालय में मनाया औद्योगिक संरक्षा दिवस

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बैंक नोट मुद्रणालय देवास में भोपाल गैस त्रासदी की स्मृति में औद्योगिक संरक्षा दिवस का आयोजन किया गया । इस दौरान भोपाल गैस त्रासदी से ग्रसित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। सभी कर्मचारियों के बीच संरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है जिसमे विभिन्न संरक्षा प्रतियोगिताओं के साथ-साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं । इस अवसर पर संस्थान के संरक्षा अधिकारी अनुराग वर्मा द्वारा भोपाल गैस त्रासदी के बारे में कर्मचारियों को जानकारी दी गई एवं कारखाना में संरक्षा के महत्व एवं विभिन्न रसायनों के प्रति जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला । महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष के. एन. महापात्र द्वारा सभी कर्मचारियों को संरक्षा शपथ ग्रहण करवाई गई । महापात्र द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा संस्थान अपने संरक्षा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कृत संकल्पित हैं एवं प्रबंधन संरक्षा मूल्यों को हमेशा सर्वोपरि रखता हैं । जिसके फलस्वरूप हमारे संस्थान को प्रतिवर्ष विभिन्न संस्थाओं द्वारा उत्कृष्ट संरक्षा प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया जाता हैं । भोपाल गैस त्रासदी से सीखते हुए कर्मचारियों एवं नागरिकों में जागरूकता का संचार होना चाहिए ।

सपरिवार विराजेंगे लेखनी के दाता भगवान चित्रगुप्त

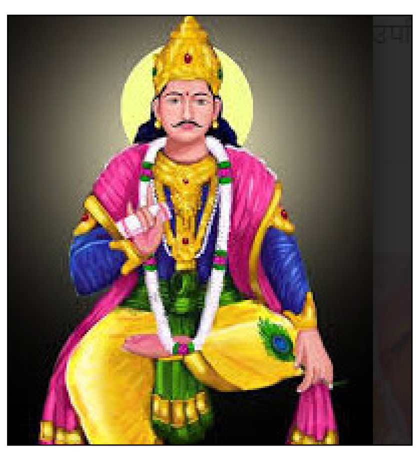

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लेखनी के दाता, भगवान ब्रह्मा जी की संतान प्रभु श्री चित्रगुप्त जी की सपरिवार नगर में प्राण-प्रतिष्ठा होगी। इसके लिए कायस्थ समाज द्वारा तीन दिवसीय वृहद आयोजन किया जा रहा है, जिसकी शुरूआत शुक्रवार को भगवान श्री गणेश के पूजन के साथ होगी। जिसमें विद्वान पंडितों के साथ ही समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से वरिष्ठ समाजजन भी इसमें शामिल होकर धर्म का लाभ लेंगे।

आयोजन के पहले दिन शुक्रवार को प्रातः 8.30 बजे लालपुरा स्थित कायस्थ समाज धर्मशाला पर प्रभु श्री गणेश का पूजन होगा। इसके बाद 9.30 बजे कलश यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई पुनः कायस्थ धर्मशाला पहुंचेगी। इसी दिन प्रातः 11.30 बजे अन्नाधिवास का आयोजन होगा। इसके बाद धर्मशाल में दिनभर धार्मिक आयोजन होंगे। आयोजन के अगले दिन शनिवार को प्रातः 11.30 बजे भगवान चित्रगुप्त, पत्नी ऐरावती व उनकी माता दक्षिणा की प्रतिमाओं की विधि-विधान से विद्वान पंडितों द्वारा मूर्ति स्थापना की जाएगी। इसी दिन शाम 4 बजे विभिन्न क्षेत्रों में समाज को गौरवान्वित करने वालों तथा समाज के मेघावी विद्यार्थियों का वरिष्ठ समाजजनों को सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद शाम 7 बजे सहभोज का आयोजन होगा। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के तीसरे दिन रविवार 7 दिसंबर को प्रातः 11.30 बजे प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की पूर्णाहूति, दोपहर 12 से 2 बजे तक सहभोज का आयोजन होगा। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें भगवान चित्रगुप्त जी की सपरिवार प्रतिमाएं शामिल कर उन्हें नगर भ्रमण कराया जाएगा। जो नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई पुनः कायस्थ धर्मशाला पहुंचेगी जहां समाज के वरिष्ठों सहित आयोजन में पधारे अतिथियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद रात्रि 8 बजे प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का समापन भावसार समाज धर्मशाला में सहभोज के साथ होगा। वरिष्ठ समाजजनों ने सभी कायस्थ समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में आकर भगवान चित्रगुप्त जी का आशीर्वाद व धर्म का लाभ लेने की अपील की है। यह जानकारी समाज के अध्यक्ष सोमप्रकाश श्रीवास्तव ने दी।

डीआईजी ने किया एसपी कार्यालय का निरीक्षण, थाना प्रभारियों की ली बैठक

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डीआईजी नवनीत भिसेन ने गुरूवार को एसपी आफिस पहुंचकर वहां का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियो की बैठक लेकर नए वर्ष की तैयारियों के बारे में बताया। इसके बाद वे मक्सी थाने के लिए रवाना हो गए।

गुरूवार को डीआईजी नवनीत भिसेन लालघाटी स्थित एसपी कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने एसपी कार्यालय का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों, एसडीओपी की बैठक ली। उन्होंने सभी अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि नए वर्ष में हमें कोई पेंडेंसी लेकर नहीं जाना है। सभी पेंडिंग मामले हैं उनका जल्द से जल्द निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी से मामले के निराकरण में आ रही समस्याओं के बारे में पूछा और मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सभी को निर्देशित करते हुए प्रोत्साहित किया कि वे पेंडिंग माल, पेंडिंग अपराध सभी इसी माह निराकृत हो ताकि हम लोग कोई पेंडेंसी लेकर नए वर्ष में प्रवेश न करें। मीडिया से चर्चा करते हुए श्री भिसेन ने बताया कि डीजीपी साहब के निर्देश पर वे यहां आए हैं। क्योंकि हर साल दिसंबर माह में हमारा अभियान होता है कि हम नए वर्ष में नए उत्साह के साथ प्रवेश करें ताकि कोई पुराना मामला पेंडिंग न हो। इसके बाद वे मक्सी थाने की ओर रवाना हो गए। वहां भी उन्होंने विवेचकों से चर्चा करते हुए समस्याओं के बारे में जाना और उनका समाधान किया।

कलश यात्रा के साथ हुआ सात दिनी शिव महापुराण कथा का विराम

अंतिम दिवस उमड़ी भक्तों की भीड़, कथावाचक ने दिखाया भक्ति का मार्ग

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्णिमा के पावन पर्व पर माँ कलेश्वरी मंदिर परिसर में आयोजित सप्त दिवसीय शिव महापुराण कथा एवं पंचकुंडात्मक यज्ञ की पूर्णाहुति एवं शोभायात्रा के साथ मंगलमय समापन हुआ। कथा व्यास पंडित श्री राम शर्मा आचार्य ने अपने वचनों में सात्त्विक जीवन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन का सर्वोत्तम मार्ग भगवान के भजन और स्मरण में ही है।

शुक्रवार को कथा का वाचन करते हुए पं. शर्मा ने कहा कि जैसे अल्पायु मार्कण्डेय जी ने भगवान शिव का भजन व प्रणाम कर अमरत्व प्राप्त किया। उसी प्रकार जो भी शिव नाम का स्मरण करता है उसका कल्याण स्वयं महादेव करते हैं। उन्होंने कहा कि काशी को अविमुक्त क्षेत्र कहा गया है, जहां देह त्यागने वाले भक्त को मोक्ष की प्राप्ति होती है। समापन दिवस पर अनेक प्रसंगों, भजनों और भक्तिमय वातावरण के बीच यज्ञ नारायण की पूर्णाहुति संपन्न हुई। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें नगर सहित जिले भर से आए श्रद्धालुओं ने प्रसादी का लाभ लिया। इस दौरान मंदिर में श्री गुरु महाराज विश्रानंद जी महाराज की नूतन मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का पावन कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंदिर परिसर से शोभायात्रा ग्राम सेतखेड़ी, शाजापुर के लिए निकाली गई, जहां उनके समाधि स्थल पर मूर्ति स्थापित की गई। इसके साथ ही परिवार की कुल देवी परी माता की मूर्ति का भी आचार्यगणों द्वारा विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। वैदिक मंत्रोच्चारण, प्राण संचार, आहुति एवं महाआरती के साथ कार्यक्रम का शुभ समापन हुआ।

भागवत कथा श्रवण करने उमड़ा जन सैलाब

कथा के तृतीय दिवस पंडाल को 64 हजार स्क्वायर फीट में बढ़ाकर बनाया गया जो श्रोताओं से भर गया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानव जीवन में हर व्यक्ति को एक काम ऐसा करना चाहिए जो अमित हो। ताकि आपके जाने के बाद भी लोग याद करे । कर्म किसी भी क्षेत्र में हो जैसे सेवा व्यवहार नवाचार यह बात तिलगारा में चल रही भागवत कथा के तीसरे दिन पंडित कमलकिशोर जी नागर ने कही। आगे कहा कि मैं ओर मेरा से मनुष्य की दूर रहना चाहिए क्योंकि जहां मैं ओर मेरा भाव आ जाता है वहां अहंकार आ जाता है। इसी अहंकार से भाई भाई में दरार पड़ती जा रही है परिवार में दूरियां बढ़ती जा रही है। छोटी छोटी बातों से परिवार बर्बाद होते जा रहे हैं परिवार छोटे होते जा रहे हैं ।जिस दिन मनुष्य ने मैं ओर मेरा भगवान के ऊपर छोड़ दिया ।वह दयालु सबका कल्याण करेगा। और परिवार एक रहेगा। आज लोग सांसारिक युग में इतने मग्न हो गए कि उस परमपिता तो भूलते जा रहे हैं। हर काम को जल्दी करने में लगे हैं। और लालच में घिरते जा रहे है।

संत महात्मा के भजन भूले- भजन भी गाना तो साधु संतों की रचनाओं को गाना चाहिए । आज तो कुछ तो भी गा रहे हैं और सुन रहे है डीजे पर जोर शोर से चल रहा है जो समझ से परे है। आज दिखावटी दुनिया में सेवा करना तो दिखावा हो गया है। सेवा तो वो होती है जो तन मन धन से किया जाये । जिसे दुनिया याद करे।सेवा तो राजा हरिचंद्र ने की थी जिसने सेवा के लिए राजपाट तक छोड़ दिया ।

आज भेदभाव का जमाना चल रहा है लेकिन मरने के बाद शमशान में सभी की राख एक जैसी ही होती हैं। चाहे वह काला हो या गोरा, अमीर हो या गरीब। मरने में बाद सभी को एक ही रास्ते पर जाना है फिर इतना भेदभाव क्यों ।

जीवन एक तराजू की तरह है- जिंदगी तराजू की तरह है जिसमें दोनों पलवे बराबर होना चाहिए तभी जीवन सही चलता है। अगर दोनों पलवे ऊपर नीचे तो जिंदगी सही नहीं चलती । दोनों पलवे का मतलब है भगवान के भजन और गृहस्थी और पाप ओर पुण्य से है दोनों बराबर चलना चाहिए। आज पाप की ओर लोग बढ़ते चले जा रहे हैं।जीवन में बैलेंस रखना बहुत जरूरी है।

धार रतलाम झबुआ इंदौर और उज्जैन जिलों से कथा श्रवण करने हजारों की संख्या में पहुंच रहे श्रोता

32 हजार स्क्वेयर फीट बने पंडाल से भागवत कथा की शुरुआत हुई थी जो तीसरे दिन डबल करना पड़ा लगभग 64 हजार स्क्वायर फीट बढ़ाने पड़ा जो श्रोताओं से भर गया।

नवांकुर संस्था मा सरजू सामाजिक उत्थान एवं जन कल्याण संस्था बैठक संपन्न

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम गुलाना में सेक्टर बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में जिला समन्वयक श्री विष्णु प्रसाद नागर ब्लॉक समन्वयक श्री बसंत रावत नवांकुर संस्था प्रभारी श्री राम राज्य पूर्वीय उपस्थित रहे । बैठक में उपस्थित सेक्टर गुलाना की 5 समिति से 10 सदस्यों ने भाग लिया ब्लॉक समन्वयक द्वारा समिति को खाते अपडेट ,एवं दस्तावेजी करण पर जानकारी प्रदान की एवं जिला समन्वयक जी द्वारा समिति के लोगो को जन अभियान परिषद के द्वारा पूर्व में की गई गतिविधियों के विषय में जानकारी प्रदान की एवं बोरी बंधान ,दीवार लेखन , एवं समाजिक कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर उनके साथ काम करने हेतु मार्गदर्शन दिया गया । बैठक में प्रस्फुटन समिति के श्री जगदीश ब्यास , मनोहर जी हावड़िया, बलराम मेवाड़ा, विपुल जी , आदि उपस्थित रहे । बैठक का संचालन रामराज्य पूर्वीय ने किया आभार मनोहर जी द्वारा किया गया ।

नवगत जिला शिक्षा अधिकारी श्री शिप्रे का भव्य स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया मध्य प्रदेश अपाक्स अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी संगठन शाजापूर द्वारा जिले के नवगत जिला शिक्षा अधिकारी श्री राजेंद्र सिंह जी शिप्रे का गर्मजोश के साथ स्वागत किया अवसर पर अपाक्स के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री कैलाश नारायण सूर्यवंशी, पूर्व संभागीय अध्यक्ष श्री प्रभुलाल सूर्यवंशी, पूर्व संभागीय सचिव श्री बालचंद्र सौराष्टीय, संभागीय कोषाध्यक्ष श्री मांगीलाल पिताल्जा, संभागीय महामंत्री श्री उदयसिंह मालवीय, जिलाध्यक्ष श्री बी.एल. सौराष्टीय, जिला उपाध्यक्ष श्री भगवान सिंह यादव, जिला सचिव श्री रविन्द्र वर्मा, तहसील अध्यक्ष शाजापुर श्री रामप्रसाद राजोरिया, तहसील सचिव श्री राजेश कुमार सौराष्टीय, ब्लाक अध्यक्ष शाजापुर श्री के. आर. परमार, ब्लाक सचिव श्री रामप्रसाद भिलाला, ब्लाक कोषाध्यक्ष श्री बनेसिंह मालवीय, ब्लाक अध्यक्ष मोमन बड़ोदिया श्री राजाराम मालवीय, सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री मोहन सिंह सौराष्टीय, श्री ओमप्रकाश गोयल , श्री रामेश्वर सौराष्टीय, श्री विक्रम सिंह सौराष्टीय, श्री रोहित सौराष्टीय, श्री नरेश कुमार ओगले, श्री महेश कुमार सौराष्टीय, श्री ओमप्रकाश चावड़ा, श्री दिनेश कुमार मंडोर, श्री रामचंद्र मालवीय एवं श्री शाहनवाज खान सहित अपाक्स के पदाधिकारियों द्वारा नई ऊर्जा उत्साह एवं उमंग के साथ साफा बांधकर पुष्पहार से स्वागत किया गया।

शनिधाम मंदिर में खाटूश्याम, विश्वकर्मा की प्राण प्रतिष्ठा, 5 से 9 दिसंबर तक पांच दिवसीय महायज्ञ, कलश यात्रा का आयोजन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया के शनिधाम मंदिर में नवनिर्मित मंदिर में श्री खाटूश्याम और श्री विश्वकर्मा की प्राण प्रतिष्ठा का पांच दिवसीय महोत्सव शुक्रवार, 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान महायज्ञ भी होगा।

महोत्सव के तहत शुक्रवार को दोपहर 12 बजे श्रीराम मंदिर फुलेन से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके अतिरिक्त, 10 दिसंबर 2025 को श्री शनिदेव स्थापना दिवस और एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा।

इस महोत्सव का आयोजन श्री खाटूश्याम महिला मंडल, सीताराम पैनल, श्री खाटूश्याम सेना हट और श्री बजरंग भक्त मंडल अकोदिया द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें अकोदिया गांव, फुलेन और समस्त क्षेत्र के श्रद्धालु शामिल होंगे।

महोत्सव के लिए यज्ञशाला का निर्माण पूरा कर लिया गया है। हवन कुंड बनाकर गाय के गोबर से लीपकर यज्ञशाला को शुद्ध किया गया है। महायज्ञ की शुरुआत कलश यात्रा के साथ होगी।

भगवान दत्रातय जमोत्सव धूमधाम से मनाया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री दशनाम गोस्वामी समाज द्वारा दत्त पूर्णिमा गुरुवार को अपने आराध्य देव श्री गुरुत्तात्रे भगवान का जन्मोत्सव मनाया बड़ी धूमधाम से मनाया। भगवान शंकर का साक्षात रूप महाराज दत्तात्रेय में मिलता है। इस उपलक्ष्य में आज बदनावर मण्डल द्वारा गुरु देव की पूजा महाआरती व महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन ने उपस्थिति होकर भगवान गुरुत्तात्रे जी की आरती की। आरती के पश्चात भोजन प्रसादी भी समाजजन ने ग्रहण की।

विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कसरावद विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-184 में 04 दिसंबर 2025 को विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री सत्येन्द्र बैरवा द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ईआरओ श्री बैरवा ने बताया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ के द्वारा मतदाताओं के त्रुटि रहित गणना फॉर्म भरकर डिजीटाइजेशन का कार्य शत प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। बीएलओ द्वारा अनुपस्थित, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं का चिन्हांकन किया गया है। जिन मतदाताओं की वर्ष 2003 की मतदाता सूची में जानकारी उपलब्ध नहीं थी, उन्हें 'नो मैपिंग' किया गया है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार यदि किसी मतदाता की त्रुटिवश नो मैपिंग, स्थानांतरण, अनुपस्थिति या मृत मार्किंग हुई है, तो ऐसी स्थिति में रोल-बैक कर पुनः वेरीफाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान प्रतिनिधियों को मतदान केंद्रवार 'नो मैपिंग' और ASDR मतदाताओं की सूची प्रदान की गई।

ममलेश्वर इंफ्रा की समाजसेवा–70 बच्चों को मिले बैग व वूलन टोपी

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार को ममलेश्वर इंफ्रा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड ने ग्राम नाचनखेड़ा की आंगनबाड़ी में एक सराहनीय सामाजिक पहल करते हुए लगभग 70 बच्चों को स्कूल बैग और ठंड से बचाव के लिए वूलन टोपी वितरित की। तेज़ शीतलहर के बीच बच्चों को गर्माहट देने का यह कदम ग्रामीणों के बीच कंपनी की बढ़ती सकारात्मक छवि को और मजबूत करता है।

कार्यक्रम में ग्राम के सरपंच दिगंबर पाटिल ने बताया कि नाचनखेड़ा में संचालित रेत खदान का आवंटन ममलेश्वर इंफ्रा को मिलने के बाद से कंपनी लगातार पंचायत क्षेत्र में दान और सामाजिक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा- कंपनी ने केवल खनन कार्य नहीं किया, बल्कि बच्चों, महिलाओं और ग्रामीणों के लिए समय-समय पर महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। आज का वितरण कार्यक्रम भी उसी सेवा भावना का हिस्सा है।

सरपंच पाटिल ने यह भी बताया कि ममलेश्वर इंफ्रा ने क्षेत्र में रोजगार सृजन का बड़ा काम किया है। पहले ग्रामीणों को काम के लिए दूर शहरों या अन्य राज्यों में जाना पड़ता था, लेकिन खदान शुरू होने के बाद से गांव के कई लोगों को स्थानीय रोजगार मिला, जिससे उनकी दैनिक आय स्थिर हुई है और परिवारों को बेहतर जीवनयापन में मदद मिल रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी द्वारा लगातार किए जा रहे सामाजिक योगदान–जैसे बच्चों की शिक्षा, ठंड से बचाव, मूलभूत सुविधाओं में सहयोग और रोजगार–से गांव में भरोसा और सकारात्मक माहौल बना है।

आंगनबाड़ी केंद्र में हुआ यह वितरण कार्यक्रम यह साबित करता है कि ममलेश्वर इंफ्रा वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड सिर्फ एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि गांव के सामाजिक विकास में सक्रिय भागीदार है।

विधानसभा क्षेत्र 185 खरगोन में गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन कार्य हुआ 100 प्रतिशत

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र 185 खरगोन में गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन कार्य 100 प्रतिशत हो गया है। दिनांक 04.12.2025 की शाम 6 बजे की स्थिति अनुसार विधानसभा क्षेत्र में डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण हो गया। इस उपलब्धि के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने ईआरओ श्री वीरेन्द्र कटारे, एईआरओ श्री महेंद्र सिंह दांगी और समस्त निर्वाचन टीम को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा क्षेत्र में 258 मतदान केंद्रों के 258 बीएलओ द्वारा कुल 248584 मतदाताओं में से 232665 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन किया गया है, शेष मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट पाए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र में 2449 मतदाताओं की वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो सकी है। विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचन टीम मे बीएलओ, सुपरवाइजर और मास्टर ट्रेनर्स के अतिरिक्त नोडल अधिकारियों- तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सीईओ, सीएमओ, बीईओ, बीआरसी और सीडीपीओ ने अहम योगदान देकर बेहतरीन टीम वर्क का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया है। अब तक जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों- कसरावद, महेश्वर और खरगोन ने यह महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। अन्य विधानसभा क्षेत्रों में दिनांक 04.12.2025 की शाम 6 बजे की स्थिति अनुसार 181-भीकनगांव में 99.99 प्रतिशत, 182-बड़वाह में 99.48 प्रतिशत और 186-भगवानपुरा में 99.92 प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा किया जा चुका है।

कलेक्टर ने की शिक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा, स्कूलों में खराब प्रगति पर संबंधितों को लगाई फटकार

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर शिक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने जिले की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गंभीरता से चर्चा की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी तथा समस्त संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाना महती आवश्यकता है। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पढ़ाई पर ध्यान न देने वाले और लगातार खराब प्रगति वाले स्कूल प्रमुखों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी स्थिति पाई गई तो संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में शिक्षकों के ई-अटेंडेंस की स्थिति, समग्र शिक्षा के अंतर्गत छात्रवृत्ति स्वीकृति, प्रोफाइल अपडेशन, अपर्याप्त खातों की समीक्षा, शालाओं के निरीक्षण कार्य, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में पाठ्यक्रम की प्रगति और कक्षा 10वीं तथा 12वीं के शत-प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विद्यार्थियों की बैंक संबंधी त्रुटियों के कारण छात्रवृत्ति लंबित है, उनके खाते शीघ्र सही कराकर राशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए अब बहुत कम समय है, इसलिए सभी स्कूल प्रमुख यह सुनिश्चित करें कि पाठ्यक्रम समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए तथा कमजोर छात्रों की पहचान कर उनके लिए विशेष अभ्यास कक्षाएं आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक स्कूल समय पर पहुंचें और ई-अटेंडेंस के माध्यम से अपनी उपस्थित दर्ज कराएं।

कलेक्टर ने जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए यू-डाइस पोर्टल के अद्यतन, शिक्षण-अधिगम में मौजूद 'लर्निंग आउटकम गैप' को समाप्त करने, शिक्षकों की उपस्थिति सुधारने, नामांकन बढ़ाने, आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों को चिन्हित कर उन्हें स्कूल से जोड़ने, प्रतिभा उत्सव एवं बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी को मजबूत करने तथा छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सप्ताह में कम से कम तीन स्कूलों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें।

उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के लिए अच्छा कार्य करने वाले अतिथि शिक्षकों को 26 जनवरी और 15 अगस्त के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा, ताकि शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता और उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ावा मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि वे स्वयं भी शालाओं का औचक निरीक्षण करेंगे, इसलिए अधिकारी और शिक्षक पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से कार्य करें, क्योंकि जिले का रिजल्ट बेहतर बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसे हर हाल में हासिल करना है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर, डीपीसी श्री आरआर उईके सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जेण्डर आधारित हिंसा की रोकथाम अभियान के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री राधूसिंह बघेल के मार्गदर्शन में बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत एवं जेण्डर आधारित हिंसा की रोकथाम अभियान के तहत 04 दिसम्बर 2025 को शासकीय महाविद्यालय थांदला में जेण्डर संवेदनशीलता, बाल विवाह, साइबर क्राइम, बाल सरंक्षण, पोषण एवं स्वास्थ्य एवं वन स्टॉप सेंटर में प्रदाय सेवाएं आदि विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन व सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में एस.डी.ओ.पी थांदला श्री नीरज नामदेव द्वारा साइबर क्राइम पर प्रकाश डालते हुए अपने संबोधन में कहा कि साइबर अपराध एक ऐसा अपराध होता है जिसमें यह पता नहीं चलता है कि अपराध करने वाला व्यक्ति कौन है। साइबर अपराध कम्प्यूटर, इंटरनेट या मोबाईल तकनीकों का प्रयोग करके की जाने वाली एक अवैध गतिविधि है, जिसमें व्यक्तियों, कम्पनियों को निशाना बनाया जाता है। इसमें फिशिंग, पहचान की चोरी, हैंकिग, वित्तीय धोखाधड़ी डिजिटल अरेस्ट रैसमवेयर जैसे कई प्रकार के अपराध शामिल है। साइबर अपराधी सोशल मिडिया, ई-मेल या नकली वेबसाईट के माध्यम से लोगों को लक्षित कर सकते है। सतर्कता व जागरूकता से ही इससे बचा जा सकता है। किसी भी प्रकार के साइबर काईम होने पर 1930 हेल्पलाईन नम्बर पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिले में किरायेदारों एवं बाहरी व्यक्तियों की जानकारी देना अनिवार्य

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आश्रम, बोर्डिंग हाउस, सर्किट हाउस, धर्मशाला, गेस्ट हाउस, रेस्ट हाउस, रिसोर्ट एवं किराए पर दी जाने वाली संपत्तियों में बाहरी व्यक्तियों द्वारा असामाजिक एवं अवांछनीय गतिविधियों में संलिप्त होने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने महत्वपूर्ण प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। झाबुआ की भौगोलिक स्थिति गुजरात एवं राजस्थान की सीमा से लगी होने के कारण यहां बाहरी व्यक्तियों का आवागमन अधिक रहता है, जिससे पुलिस जांच के दौरान उनकी सही जानकारी उपलब्ध न होने पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में जिले की शांति, लोकशांति, जनसुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था पर संभावित खतरा उत्पन्न होता है।

पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि मकान मालिकों द्वारा किरायेदारों को बिना सूचना दिए रखने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी चुनौतियाँ बढ़ जाती हैं। इसे देखते हुए कलेक्टर नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर जिला दण्डाधिकारी श्री चंदरसिंह सोलंकी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) एवं (2) के अंतर्गत संपूर्ण जिले की राजस्व सीमाओं में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है।

आदेश के अनुसार किरायेदारों को रखने से पूर्व मकान एवं दुकान मालिकों को संबंधित थाने में विहित प्रारूप में सूचना देना अनिवार्य होगा, साथ ही आधार कार्ड, वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस जैसे पहचान-पत्रों की प्रतियां सुरक्षित रखनी होंगी। घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों के मामले में भी मालिकों को उन्हें नियुक्त करने से पूर्व थाने में सूचना देना और उनके पहचान-पत्र की प्रति रखना आवश्यक होगा। इसी प्रकार होटल, लॉज एवं धर्मशालाओं में ठहरने वाले सभी व्यक्तियों से पहचान-पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाना होगा तथा उनकी सूची प्रत्येक माह थाने को प्रेषित करना होगी।

ऑनलाइन शॉपिंग, होम डिलीवरी और कूरियर सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों को अपने उन कर्मचारियों की जानकारी थाने में उपलब्ध करानी होगी जो घर-घर जाकर वितरण करते हैं, साथ ही उनके पहचान-पत्र की प्रतियां भी रखना अनिवार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त प्राइवेट सुरक्षा एजेंसियों को अपने स्तर पर अथवा एजेंसी के माध्यम से नियुक्त किए गए सुरक्षा गार्डों की जानकारी भी विहित प्रारूप में थाने को उपलब्ध करानी होगी और उनके पहचान-पत्र की प्रति रखना आवश्यक होगा।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के प्रयासों से मिली 12 नई सड़कों के निर्माण की मंजूरी

लोक निर्माण विभाग ने जारी किए आदेश, जल्द ही टेंडर प्रक्रिया कर शुरू किए जाएंगे निर्माण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप लोक निर्माण विभाग ने झाबुआ में 12 नई सड़कों के निर्माण की मंजूरी प्रदान की है। इन सड़कों की लागत 25 करोड़ 74 लाख से अधिक रुपए है तथा इन्हें वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुपूरक बजट में सम्मिलित किया गया है। शीघ्र ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य प्रारम्भ किए जाएंगे। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान आमजन द्वारा उठाई गई सड़क संबंधी मांगों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए मंत्री सुश्री भूरिया ने विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह को प्रेषित किए थे तथा व्यक्तिगत रूप से भी तत्कालीन आवश्यकताओं से अवगत कराया था। परिणामस्वरूप विभाग ने इन महत्वपूर्ण सड़कों की स्वीकृति प्रदान कर दी। मंत्री सुश्री भूरिया ने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि शासन की प्रतिबद्धता है कि प्रदेश के हर क्षेत्र तक विकास की रोशनी पहुंचे। हमारा उद्देश्य है कि जनजातीय अंचल के दूरस्थ गांव भी मजबूत सड़क नेटवर्क से जुड़ें। इससे जहां आवागमन सुगम होगा, वहीं किसानों को अपनी फसलों के परिवहन में आसानी होगी। व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सभी गतिविधियों में तेजी आएगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन 12 सड़कों की मंजूरी से झाबुआ जिले के कई गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा में पूर्ण कराया जाएगा। शासन द्वारा स्वीकृत यह परियोजनाएं झाबुआ के सर्वांगीण विकास की दिशा में बड़ा कदम हैं।

इन सड़कों को मिली मंजूरी- भगोर-हत्यादेली-पेटलावद मार्ग लंबाई- 12.81 किमी लागत- 320.25 लाख, मार्ग- झिरी- उमरकोट-देवली -मानसिया मार्ग एवं कुम्भाखेड़ी-फाटा मार्ग लंबाई- 9.90 किमी लागत- 247.50 लाख, जामली सामली मार्ग एवं धतुरिया पीठड़ी व्हाया आंबापाड़ा मार्ग लंबाई- 9.37 किमी लागत- 234.25 लाख, मार्ग- गंगाखेड़ी-मांडन मार्ग एवं रायपुरिया से सारंगी व्हाया सागड़िया मार्ग लंबाई- 8.84 किमी लागत- 221 लाख, मार्ग- पेटलावद रूपगढ़ हनुमान मंदिर मार्ग एवं नहारपुरा खि़जड़ी चैनपुरी मार्ग लंबाई- 7.01 किमी लागत- 175.25 लाख, मार्ग- पिटोल ग्रामीण एस एच-47 का छूटा हुआ भाग लंबाई- 2.62 किमी लागत- 157.20 लाख, मार्ग- नरसिंहपुरा फाटक तलावली मार्ग एवं मदरानी-चौखवाड़ा मार्ग लंबाई- 4.60 किमी लागत- 115 लाख, मार्ग- पिथनपुर धमोई मार्ग लंबाई-3.98 किमी लागत- 110 लाख, मार्ग- पानकी झकेला व्हाया रोटला मार्ग लंबाई- 4.25 किमी लागत- 106.25 लाख, मार्ग- झाबुआ-जोबट रोड़ से धरमपुरी पहुंच मार्ग लंबाई- 2 किमी लागत- 300 लाख, मार्ग- ग्राम सुवापाट से राजकीय राज्य मार्ग 39 ए तक मार्ग निर्माण लंबाई- 2.20 किमी लागत- 275 लाख एवं मार्ग- सिविल अस्पताल से राजकीय राज्यमार्ग (अनंतखेड़ी फाटा) मार्ग लंबाई- 2.50 किमी लागत- 312.50 लाख ।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत 02 एवं 03 दिसम्बर 2025 को जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष झाबुआ में किया गया। यह कार्यक्रम प्रमुख सचिव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशन तथा कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

कार्यशाला में राज्य स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा समस्त विकासखण्ड के पशु चिकित्सा अधिकारी, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी, मैत्री, कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ता, गौसेवक एवं दुग्ध सहकारी समिति कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अभियान के द्वितीय चरण (दिसम्बर माह) के अंतर्गत विभागीय मैदानी अमला 05 से 09 गाय भैंस रखने वाले पशुपालकों के घर-घर जाकर तीन मुख्य आयाम पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार पर व्यापक जनजागरूकता फैलाएगा, ताकि पशुपालकों को पशुपालन से अधिक आर्थिक लाभ मिल सके।

प्रशिक्षण में कर्मचारियों एवं मैत्री कार्यकर्ताओं के अलग-अलग समूह बनाकर आपसी संवाद को मजबूत किया गया, जिससे फील्ड में पशुपालकों तक शासन की योजनाओं व तकनीकी जानकारी सटीक रूप से पहुंचाई जा सके। द्वितीय चरण में जिले के कुल 11,516 पशुपालकों के यहाँ गृह भेंट कर लाभ की जानकारी दी जाएगी तथा पशुओं का सत्यापन एवं टैगिंग की स्थिति का ऑनलाइन अद्यतन भारत पशुधन पोर्टल पर किया जाएगा। इस कार्य हेतु गौसेवक एवं मैत्री कार्यकर्ताओं को ?5 प्रति पशुपालक के मान से मानदेय प्रदान किया जाएगा। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण में आचार्य विद्यासागर योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना एवं पशुपालन के.सी.सी. योजना के लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा अधिक से अधिक पशुपालकों को व्यवसायिक पशुपालन हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. ए.एस. दिवाकर, पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के.एल. डामोर तथा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान (द्वितीय चरण) के जिला नोडल एवं मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

उच्च शिक्षा विभाग प्रदेश में चलाएगा कॉलेज चलो अभियान

अगले शिक्षा सत्र के लिए आज से शुरू होगा अभियान का पहला चरण

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में शिक्षण सत्र 2026-27 में विद्यार्थी अधिक से अधिक प्रवेश लें, इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए विभाग द्वारा प्रदेश में एक माह तक कॉलेज चलो अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान स्कूलों में पढ़ाई कर रहे कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को महाविद्यालयों में चलाए जा रहे पाठ्यक्रम, संसाधन, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य सुविधाओं और केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लिए जागरूक किया जाएगा। अभियान का पहला चरण 5 दिसंबर 2025 से शुरू होगा और 5 जनवरी 2026 तक चलेगा। अभियान के दौरान विभिन्न प्रकार की जागरूकता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने समस्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव और महाविद्यालयों के प्राचार्य को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। कॉलेज चलो अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों सहित पूर्व छात्रों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पंचायत सचिव, ग्राम सभा, स्व-सहायता समूह एवं युवा संगठनों के साथ बैठक कर विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से सुझाव भी लिए जाएंगे।

एक माह तक चलेंगी गतिविधियां- महाविद्यालय की टीम द्वारा विद्यालयों का एवं उनके अभिभावकों भ्रमण किया जाएगा। कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, उपलब्ध पाठ्यक्रम, कैरियर अवसरों एवं प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया जाएगा। इस दौरान महाविद्यालय की शैक्षणिक, प्रयोगशाला, खेल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

करियर कॉउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को विषय चयन, उच्च अध्ययन, रोजगार एवं कौशल आधारित शिक्षा के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा। नई शिक्षा, नई दिशा के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख प्रावधान बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम चयन, विषय चयन के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएगी।

धान उपार्जन- पच्चीस और खरीदी केन्द्र निर्धारित

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन के लिए जिला उपार्जन समिति की अनुशंसा पर जिले में 25 और खरीदी केन्द्र निर्धारित किये गये हैं। सभी केन्द्र गोदाम स्तरीय होंगे और इनका संचालन महिला स्व सहायता समूहों एवं संकुल स्तरीय संगठनों द्वारा किया जायेगा। गोदाम स्तरीय इन सातों केन्द्र को मिलाकर जिले में अब 85 खरीदी केन्द्रों पर किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जायेगा। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा से प्राप्त जानाकरी अनुसार नये स्थापित किये गये खरीदी केन्द्रों में गोरखपुर तहसील में मजीठा स्थित एल एंड डी वेयर हाउस, पनागर तहसील में सलैया स्थित नर्मदा वेयर हाउस, पाटन तहसील में छेडी बरोदा स्थित श्रीराम वेयर हाउस, कांटी मुरगवा स्थित मां नाहनदेवी वेयर हाउस, ग्राम बोरिया स्थित गोपी वेयर हाउस, कुलुआ कटंगी स्थित श्री बालाजी वेयर हाउस, सेमरिया स्थित श्री मां रेवा वेयर हाउस एवं डीएमआर ग्रुप वेयर हाउस, मझौली तहसील के अंतर्गत ग्राम खबरा स्थित निशिका वेयर हाउस, बरगी मोहला स्थित त्रिरूपति बालाजी वेयर हाउस, लमकना स्थित राम लखन वेयर हाउस, वनखेड़ी स्थित महादेव वेयर हाउस, सिमरिया स्थित सुब्रत वेयर हाउस एवं गौरहा स्थित नर्मदा वेयर हाउस, शहपुरा तहसील के अंतर्गत टिकरी स्थित बलराज ग्रामीण वेयर हाउस, सहजपुर स्थित पारस वेयर हाउस, बिल्हा स्थित अद्विका वेयर हाउस, टिकरी स्थित बलराज वेयर हाउस (62), झोझी स्थित रघुवीर श्री वेयर हाउस एवं खिरकाखेड़ा स्थित विमल वेयर हाउस तथा सिहोरा तहसील अंतर्गत गड़चपा स्थित दीपमाला वेयर हाउस, नर्मदा इंटर प्राईजेज वेयर हाउस, घाट सिमरिया स्थित जय भवानी वेयर हाउस कार्पोरेशन, गौरहा स्थित विदित वेयर हाउस एवं गौरहा स्थित श्री ईश्वरदास वेयर हाउस शामिल है।

विकासखण्ड पाटी में 24 अधिकारियों द्वारा एक साथ 60 शालाओ का किया अवलोकन 2 शालाए मिली बंद, अनुपस्थित अतिथि शिक्षकों के विरूद्ध कार्यवाही

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। विकासखण्ड पाटी में शिक्षा गुणवत्ता अतर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में शिक्षको एवं छात्रों की उपस्थिति, शिक्षा गुणवत्ता, भवन रखरखाव इत्यादि तथ्यों की जाँच हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्रीमती राजश्री पवार द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के समस्त अमले की आकस्मिक बैठक प्रातः 09 बजे बुलाकर रेण्डमली विकासखण्ड के सबसे बड़े और दुर्गम क्षेत्र के सकुल लिम्बी की 60 शालाओ तथा 4 आश्रम शालाओं का एक साथ प्रातः 10 बजे से अवलोकन का दायित्व सभी को शाला आवंटित कर सौपा गया।

श्रीमती पवार द्वारा दुरथ हाईस्कूल चौरवी एवं अन्य 07 शालाओ एवं 04 आश्रम शालाओं का अवलोकन किया गया। सभी आश्रम शालाओं में दर्ज 50 में से 48 से 50 छात्र उपसिथत पाये गये तथा शिक्षा गुणवत्ता भी संतोषजनक थी, सभी अधिक्षक उपस्थित पाये गये। बीआरसी पाटी श्री दिनेश चौहान द्वारा दुर्गम क्षेत्र के सेमलेट सहित 05 शालाओं का अवलोकन किया गया, समस्त बीएसी द्वारा भी सघन मानिटरिंग कर शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया, प्रफुल्ल पुरोहित प्रभारी प्राचार्य, मुकेश बघेल प्रभारी प्राचार्य, श्री धर्मेन्द्र भावसार प्रभारी प्राचार्य को भी दायित्व सौपा गया था। इनके द्वारा भी सागबारा, बोरकुण्ड जैसे दुरस्थ शालाओ का अवलोकन किया गया। इस आकस्मिक अवलोकन में शासकीय बोरफल्या लाईझापी एवं रिजवानियाफल्या चौरवी दो शाला जनशिक्षक श्री रमेश वास्कले एवं संजय बरडे को बंद मिली तथा उक्त अवलोकन में विशेष तथ्य यह पाया गया कि विकासखण्ड के सबसे दुर्गम क्षेत्र संकुल की शालाए खुली हुई थी, किन्तु विधार्थियों की उपस्थिति दर्ज के अनुपात में अत्यन्त कम थी। ग्रामीणों से एवं निकटस्थ पालकों से इस विषय पर चर्चा कर विधार्थियों को नियमित शाला भेजने हेतु कहा गया साथ ही जिले की कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशानुसार शालाओं में साप्ताहिक पाठ्यक्रम का विभाजन चस्पा करने, साप्ताहिक टेस्ट की जाँच तथा वर्क बुक में कराये जाने वाले पाठ्यक्रम पर विशेष जाँच के निर्देश दिये गये। संकुल की सबसे दुर्गम शाला सावरियाफल्या भादल का जनशिक्षक नरेन्द्र बामनिया द्वारा अवलोकन किया गया दर्ज 56 में से 37 छात्र उपस्थित थे. छात्रों ने 15 तक पहाडे तथा बिना मात्रा के शब्द व जोड करके बताया गया समस्त जनशिक्षकों को उन्हें आवंटित शालाओ में शिक्षा गुणवत्ता हेतु आवश्यक मार्गदर्शन शिक्षकों को प्रदाय कर उन्हे आगामी परीक्षाओं की पूर्व तैयारी हेतु सकारात्मक मार्गदर्शन प्रदाय कर, नियमित मध्यान्ह भोजन पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिये गये । श्रीमती पवार द्वारा बताया गया कि उक्त सयुक्त भ्रमण में 12 अतिथि शिक्षक अनुपस्थित पाये गये जिन्हे कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये जाकर उत्तर प्राप्त किये जा रहे है. उत्तर संतोषजनक नहीं होने पर सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जावेगी, साथ ही 23 शिक्षको को छात्रों की अत्यन्त न्यून उपस्थिति के कारण नोटिस जारी किये जा रहे है साथ ही उन्हे गृह सम्पर्क के माध्यम से उपस्थिति बढ़ाने हेतु भी प्रयास के निर्देश दिये गये है। श्रीमती पवार द्वारा बताया गया कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा ब्म्त्डै पोर्टल के माध्यम से प्रतिदिन शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज कराये जाने से शिक्षकों की उपस्थिति पर सकारात्मक बदलाव आया है. साथ ही वर्तमान में कुछ शिक्षक बीएलओ तथा बीएलओ सहायक के रूप उन्हें सौपे गये दायित्व को अतिम रूप से पूर्ण करने का कार्य भी कर रहे है। जनशिक्षको को निर्देश दिये गये है कि प्रत्येक शाला तक पहुंचकर शिक्षको को मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य करें।

विवादों का समाधान ही सदभाव की वापसी है- प्रधान जिला न्यायाधीश

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार दिनांक 13 दिसम्बर, 2025 को जिला बड़वानी में श्री महेन्द्र कुमार जैन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, की अध्यक्षता में जिला बड़वानी के समस्त अधिवक्तागण के साथ एडीआर भवन के कान्फेस में बैठक आयोजित की गई है। बैठक को संबोधित करते हुए। श्री महेंद्र कुमार जैन प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि विवादों का समाधान ही सदभाव की वापसी है, नेशनल लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों का समय समय की बचत, तनाव मुक्ति, आपसी सदभाव, मनमुटाव दूर होता है। साथ ही उन्होने बताया कि जिला बडवानी आदिवासी क्षेत्र है यहा की जनता सीधी सादी है उन्हें कानून का ज्यादा ज्ञान नहीं हो उनके मोटर दुर्घटना प्रकरणों का लोक अदालत के माध्यम से जल्द से जल्द निपटारा हो जाने से परिवार को जल्द क्लेम राशि मिल जाती है व एनआय एक्ट की राशि के कोर्ट फीस वापसी राशि जल्द पक्षकारो को मिले इस हेतु संबधित अधिकारी को निर्देशित किया गया।नोडल अधिकारी/विशेष न्यायाधीश ने पूर्व की भांति ही नेशनल लोक अदालत के सहयोग हेतु समस्त अधिवक्ता से अनुरोध किया एवं लोक अदालत के लाभ बतायें।

सेंधवा मे आयोजित किया जाएगा क्लस्टर अनुश्रवण शिविर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयती सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में आयोजित सीएफटी पंचायत ड्राइव की समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएफटी पंचायत ड्राइव को मात्र एक प्रशासनिक ड्यूटी के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे जिला प्रशासन द्वारा निचले स्तर के नागरिक के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण कार्य माना जाए। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने बताया कि जनपद पंचायत सेंधवा अंतर्गत क्लस्टर सेंधवा, धनोरा एवं चाचरिया की 34 पंचायतों में क्लस्टर अनुश्रवण शिविर (सीएफटी) का आयोजन 5 दिसंबर शुक्रवार को किया जाएगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ ग्रामों में नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं में नियमानुसार पात्र बनाकर लाभान्वित करना है। ताकि उनकी समस्याओं का प्रभावी निराकरण हो सके। इस शिविर के अंतर्गत शासन की विभिन्न योजनाओं के अनुश्रवण हेतु अधिकारियों / कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिनके द्वारा ग्राम पंचायतों में जाकर पंचायतो में नागरिकों को आ रही समस्याओं / शिकायतों को दर्ज करेंगे जिनका निराकरण इसके पश्चात ग्राम स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में किया जाएगा। ये रहेगी 34 पंचायते झोपाली, लवाणी,जामली,कलालदा,वाकीउर्फ गोई, पिसनावल, बड़गाँव, नवलपुरा, अंजनगाँव, बिजापुरी, बोरली, भामनिया, शाहपुरा, डोंगरगॉव, आछली, हिंदली, चिखली (र), महेदगाँव, जामन्या, चिथरई, झापड़ीपाडला, राजगढ़,पांजरिया, धनोरी,कमोदवाडा, पिपल्याडेब, कालापाठ, मोरदड़, रलावती, मोहाला, वाक्या, धनोरा, पाडछा, लंगडीमोहड़ी आदि है। क्लस्टर अनुश्रवण शिविर (सीएफटी) में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, योजनाओं एवं आयुष्मान कार्ड,आंगनवाडी से संबंधित सेवायें,सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्राप्त सेवाओं, ई-केवायसी,राजस्व सेवाओं अविवादित नामांतरण, बटवारा, सीमांकन एवं अतिक्रमण आदि विषय, भू-अधिकार पुस्तिकाओं का वितरण खसरा, नक्शा नकल आदि का प्राप्ति, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा से संबधित विषय युनिफार्म, छात्रवृत्ति, पुस्तक एवं मध्यान्ह भोजन के संबंध,कृषि , प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, नल जल योजना स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत घरों में शौचालय निर्माण मनरेगा पेंशन ग्रामीण विकास की योजनाएं एनआरएलएम अंतर्गत गठित समूह उद्योग विद्युत पशुपालन विभाग की योजनाओं से संबंधित लाभ पात्र हितग्राही को उपलब्ध करवाना एवं समस्याओं का प्रभावी निराकरण करना। इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, अपर कलेक्टर श्री केके मालवीय, संयुक्त कलेक्टर श्री राजा रवि वर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एसआईआर :- 96.19 फीसदी मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण

सिहोरा विधानसभा में भी हुआ शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के अंतर्गत जिले में 96.19 प्रतिशत मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इनमें 12.07 फीसदी एएसडीआर श्रेणी के मतदाता तथा ऑनलाइन गणना प्रपत्र भरने वाले मतदाता भी शामिल हैं। जिले की आठ विधानसभा क्षेत्र में से आज गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र सिहोरा ने भी शत प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रत्रकों के डिजिटाइजेशन पूरा कर लिया है। विधानसभा क्षेत्र पाटन और बरगी में दो दिन पहले शत-प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा चुका है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त गुरूवार की शाम 8 बजे तक की रिपोर्ट के अनुसार विधानसभा क्षेत्र पनागर में 99.60, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर उत्तर में 94.11, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पश्चिम में 92.68, विधानसभा क्षेत्र जबलपुर पूर्व में 91.87 तथा विधानसभा क्षेत्र जबलपुर केंट में 89.05 फीसदी मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूर्ण हो चुका है। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 19 लाख 25 हजार 472 है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार इनमें से एएसडीआर श्रेणी के मतदाताओं को मिलाकर अभी तक 18 लाख 52 हजार 018 मतदाताओं के गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। एएसडीआर की श्रेणी में अभी तक 2 लाख 32 हजार 391 मतदाताओं की संख्या दर्ज हुई है। इनमें मृत मतदाताओं की संख्या 49 हजार 969, अनुपस्थित मतदाताओं की संख्या 55 हजार 603, स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की संख्या 1 लाख 12 हजार 838 है तथा अन्य मतदाताओं की संख्या 1 हजार 322 है। मतदाताओं के गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन में 12 हजार 641 मतदाताओं द्वारा भरे गये ऑनलाइन गणना प्रपत्र भी शामिल है। कुल डिजिटाइजड गणना पत्रकों में नो मैपिंग वाले मतदाताओं की संख्या 1 लाख 36 हजार 807 है।

जीपीएफ के गुमशुदा कटौत्रों के निराकरण हेतु 16 को खण्डवा में शिविर

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर द्वारा शासकीय सेवकों के जीपीएफ गुमशुदा कटौत्रे, निष्क्रिय जीपीएफ खाते, पार्ट वांट व फुल वांट एवं अप्रविष्ट मदों के निराकरण के लिये इंदौर एवं उज्जैन संभाग के जिलों में शिविर आयोजित किये जाएंगे। इसी क्रम में आगामी 16 दिसम्बर को खण्डवा के जिला कोषालय में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में प्रत्येक आहरण एव संवितरण अधिकारी के प्रतिनिधि को भी आवश्यक रुप से उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया है। शिविर में शासकीय सेवकों के गुमशुदा कटौत्रे, निष्क्रिय खातों, पार्ट वांट व फुल वांट एवं अप्रविष्ट मदों से संबंधित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जायेगा। शिविर से संबंधित किसी भी प्रकार की अन्य जानकारी के लिये जिला कोषालय अधिकारी खण्डवा से संपर्क किया जा सकता है। सभी आहरण संवितरण अधिकारियों से अपील की गई है कि जीपीएफ के प्रकरणों का परीक्षण कर समस्त संबंधित दस्तावेज जैसे सामान्य भविष्य निधि कटौत्रा पत्रक, वेतन देयक, चालान की प्रति, कैशबुक, बिल रजिस्टर आदि की प्रमाणित प्रति सहित शिविर में उपस्थित होकर प्रकरणों का निराकरण करवायें। शिविर में जीपीएफ के अंतिम भुगतान प्रकरणों में बरती जाने वाली सावधानियों के सम्बंध में मार्गदर्शन भी दिया जायेगा।

युवा संगम रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला सम्पन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया कि शासन के निर्देश अनुसार गुरूवार को शासकीय आईटीआई खण्डवा में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। मेले में 4 कंपनियों ने शामिल होकर 175 आवेदकों का प्राथमिक चयन कर ऑफर लेटर प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि इस मेले में कुल 270 आवेदकों ने अपना पंजीयन कराया। इसके साथ ही रोजगार मेले में स्वास्थ्य विभाग के दल ने 170 युवक व युवतियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया।

नेवल यूनिट ने भव्यता के साथ मनाया नौसेना दिवस

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मार्शल आर्ट के प्रदर्शन में झलका अनुशासन तृतीय एमपी नेवल यूनिट एनसीसी द्वारा गुरुवार 4 दिसंबर को ग्वालियर में भव्यता के साथ नौसेना दिवस मनाया गया। ब्रिगेडियर अनिल जेठालिया के मार्गदर्शन तथा कमांडर- एट- आर्म दीपक सिंह भदौरिया के निर्देशन में बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ कम्पू स्थित यूनिट परिसर में मनाया गया। यह समारोह कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इसके अलावा एमएलबी कॉलेज के सामने स्थित फ्लैग पोस्ट पर भी नेवल यूनिट द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। नेवल यूनिट में आयोजित हुए कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स द्वारा देशभक्ति नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, मार्शल आर्ट एवं कलारीपयट्टू का प्रदर्शन किया गया।

इन कार्यक्रमों ने अनुशासन, साहस और राष्ट्रीय गौरव का उत्कृष्ट संदेश दिया। इस अवसर पर भारतीय नौसेना के भूतपूर्व सैनिको को उनके योगदान और सेवा कार्य के प्रति आभार प्रकट किया गया। यूनिट परिसर में आयोजित समारोह के पश्चात इसी कार्यक्रम का आयोजन एमएलबी फ्लैग पोस्ट पर भी किया गया, जहाँ एनसीसी कैडेट्स ने मार्शल आर्ट, कलारीपयट्टू, साथ ही एसएएफ स्टाफ के सहयोग से एसएएफ बैंड डिस्प्ले प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, शिप मॉडल प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो भारतीय नौसेना की समुद्री विरासत को दर्शाती है। नेवल यूनिट परिसर में आयोजित हुए कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर श्री संघ प्रिय, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजोरिया, कृषि विश्वविद्यालय के डीन डॉक्टर सुरेंद्र सिंह तोमर उपस्थित रहे। साथ ही एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के समस्त अधिकारी एवं सभी यूनिटों के कमान अधिकारी, एडम अधिकारी, महाविद्यालयों व विद्यालयों के प्राचार्य, एनसीसी अधिकारी, पीआई स्टाफ, एनसीसी सिविल स्टाफ मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

यह सम्पूर्ण कार्यक्रम भारतीय नौसेना के गौरव और उसकी आदर्श परंपराओं के प्रति सम्मान तथा एनसीसी कैडेट्स की समर्पित भावना को दर्शाता है। भारतीय सेना में नेवी का बड़ी अहम भूमिका है। समुद्री सीमाओं की रक्षा और दुश्मनों को नाको चने चवबाने में नेवी ने खास भूमिका निभाई है। 1971 में भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन ट्राईडेन्ट के जरिए पाकिस्तानी नेवी के कराची मुख्यालय को निशाना बनाकर उसे नेस्तनाबूद कर दिया था यह हमला इतना जबरदस्त था कि वहां 7 दिनों तक आग जलती रही थी। भारत के इस हमले से पाकिस्तान पस्त हो गया था। भारतीय नेवी के इसी पराक्रम को याद करने के लिए हर साल 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है। दुनिया में चैथी सबसे मजबूत भारतीय नौसेना की ताकत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। नौसेना के पास कुल जहाजों की संख्या 280 से ज्यादा है। सन् 1612 में भारतीय नौसेना की स्थापना हुई थी। आजादी के बाद 1950 में इसका फिर से गठन हुआ और इसे इंडियन नेवी का नाम दिया गया।

मेले में अनारक्षित दुकानों का ऑनलाइन आवंटन जारी, 165 दुकानें हुईं आवंटित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर मेले में अनारक्षित दुकानों को आवंटित करने के लिये एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवंटन की सुविधा जारी है। अभी तक 165 अनारक्षित दुकानों का आवंटन किया जा चुका है। मेले में दुकान लगाने के इच्छुक दुकानदार एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर सेक्टर वाइज रिक्त दुकानों में से अपनी पसंद की दुकान चिन्हित कर ऑनलाइन आवेदन कर आवंटन प्राप्त कर सकते हैं। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेले का आयोजन 25 दिसम्बर से 25 फरवरी तक होगा। मेले में दुकानें लगने का सिलसिला शुरू हो गया है।

मेला सचिव श्री सुनील त्रिपाठी ने स्पष्ट किया गया कि इस साल मेले में जिन दुकानदारों को ऑनलाइन दुकानें आवंटित हुई हैं, यदि उन्होंने 10 दिसम्बर तक दुकानों का आधिपत्य नहीं लिया तो उन पर प्राधिकरण द्वारा प्रतिदिन 200 रुपए के हिसाब से अर्थदण्ड लगाया जायेगा। गुरुवार शाम तक 611 दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों का आधिपत्य प्राप्त कर लिया गया है। एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 1960 आरक्षित दुकानें आवंटित की गई हैं। दुकानदारों से साफतौर पर कहा गया है कि दुकान के बीमा व अग्निशमन यंत्र के प्रमाण की प्रति पोर्टल पर अनिवार्यतः अपलोड कर दें।

दुकानदार अपनी सुविधा के अनुसार दुकान का बीमा करा सकते हैं। ग्वालियर व्यापार मेला में सजग व्यवसाइयों द्वारा उत्साह के साथ अपनी दुकानों को सजाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

झूला सेक्टर में तेजी के साथ झूले आकार ले रहे हैं। जिन दुकानदारों को दुकानें आवंटित की गई हैं उनसे हर हाल में 25 दिसम्बर तक अपनी दुकानों की सजावट करने के लिये कहा गया है। मेला सचिव ने बताया कि जो दुकानदार समय पर अपनी दुकानें नहीं लगायेंगे। उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल दर्शन से होगी नववर्ष की शुरुआत, 10 लाख लोग आएंगे

25 दिसंबर से ऑफलाईन लेना होगी भस्म आरती की अनुमति - एक दिन पहले करने होगा आवेदन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस बार भी नए साल की शुरुआत लाखों लोग भगवान महाकाल के दर्शन से करेंगे। मंदिर समिति ने इसके लिए 10 लाख श्रध्दालुओं के आने का अनुमान लगाया है और व्यवस्थाएं शुरु कर दी है। इतना ही नहीं आगामी 25 दिसंबर से भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग बंद हो जाएगी और श्रद्धालुओं को भस्म आरती में प्रवेश के लिए ऑफलाइन बुकिंग एक दिन पहले करानी होगी।

साल 2025 की विदाई और नववर्ष 2026 का आगमन पूरे वर्ष शुभ रहे इसके लिए भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने के लिए देश और दुनिया से लाखों लोग उज्जैन पहुंचेंगे। महाकालेश्वर मंदिर प्रशासन का अनुमान है कि इस अवधि में करीब 10 लाख से अधिक भक्त महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचेंगे। भस्म आरती में अधिक संख्या में श्रद्धालुओं को शामिल करने के लिए एक नया दर्शन प्लान तैयार किया गया है, ताकि किसी भी भक्त को निराश न लौटना पड़े। अधिकारियों के अनुसार 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। भस्म आरती में प्रवेश के लिए एक दिन पहले श्रद्धालुओं को आकर फॉर्म भरना होगा। दर्शन की अनुमति केवल दर्शनार्थियों की संख्या के आधार पर दी जाएगी। इसके साथ ही भस्म आरती में चलायमान दर्शन की व्यवस्था भी लागू की जाएगी, ताकि अधिक भक्तों को दर्शन का अवसर मिल सके।

दर्शन के यह रहेंगे विशेष इंतजाम- मंदिर समिति के अनुसार श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। भक्तों को कर्कराज मंदिर, भील समाज धर्मशाला, नृसिंह घाट, इम्पीरियल होटल के पास, और मन्नत गार्डन जैसे स्थानों पर पार्किंग सुविधा दी जाएगी। इसके बाद श्रद्धालु शक्तिपथ से होते हुए महाकाल महालोक के रास्ते मंदिर में प्रवेश करेंगे। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को एक खास रास्ते से मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा, जिससे भीड़ कम हो सके।

ऑफलाईन बुकिंग ही रहेगा विकल्प

- 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक महाकाल मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ का अनुमान
- ऑनलाइन बुकिंग की जगह ऑफलाइन व्यवस्था लागू
- भस्म आरती में श्रद्धालुओं को चलायमान दर्शन का मौका मिलेगा
- श्रद्धालुओं को पार्किंग से लेकर दर्शन तक विशेष व्यवस्था

महिला कर्मचारी 60 फीट पहुंची पानी की टंकी पर चढ़ी

पुलिस ने सुरक्षित उतारा, विद्यालय प्राचार्या पर लगाए आरोप

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेगुरुवार शाम को एक महिला चपरासी पानी की टंकी पर चढ़ गई। उसने विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को सुरक्षित नीचे उतारा।

घटनाक्रम लालपुर स्थित ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय की है। यह विद्यालय अनुसूचित जाति विकास विभाग संचालित करता है। अंशकालिक दैनिक श्रमिक के रूप में कार्यरत सुनीता परमार निवासी केसरबाग ने विद्यालय के पास स्थित 60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़कर सुसाइड का प्रयास किया। सुनीता परमार ने बताया कि वह वर्ष 2009 से विद्यालय में अंशकालिक दैनिक श्रमिक चपरासी के पद पर कार्यरत है। उसने आरोप लगाया कि प्रभारी प्राचार्या संध्या शर्मा उसे प्रताड़ित कर रही हैं और उसे विद्यालय से हटाकर छात्रों के छात्रावास में पदस्थ करने को कहा है। इस मामले में विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या संध्या शर्मा ने बताया कि सुनीता परमार उनके बालक छात्रावास में अंशकालिक दैनिक श्रमिक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि सुनीता कार्यालय में ही काम करने की जिद कर रही हैं। प्राचार्या शर्मा ने यह भी बताया कि सुनीता बाई उनसे संबंधित नहीं हैं, वे बालक छात्रावास में कार्यरत हैं और वे विद्यालय के कार्य में व्यस्त रहती हैं, इसलिए उन्हें प्रताड़ित करने का सवाल ही नहीं उठता। सुनीता बाई के टंकी पर चढ़ने की सूचना मिली तो तत्काल पुलिस को बुलाया गया था। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति यथावत रखी जा रही है और इस संबंध में वरिष्ठ कार्यालय से मार्गदर्शन मांगा जा रहा है।

कलेक्टर श्री सिंह ने विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक ली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विगत 28 नवंबर को आयोजित कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन के अंतर्गत विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में बताया गया कि नागदा और बड़नगर में गीता भवन बनाया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए उपयुक्त भूमि की तलाश की जाए। पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत स्वीकृत प्रकरणों का शीघ्र गति से निराकरण किया जाए। साथ ही इसकी सतत मॉनीटरिंग की जाए।

समस्त विभाग शासकीय हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत ऋण वितरण का कार्य बैंको से समन्वय स्थापित कर पूर्ण करें। एमएसएमई के अंतर्गत ऋण प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत हुई आय में बढोतरी और स्थानीय लोगों को मिले रोजगार के बारे में जानकारी प्रदान की जाए। बैठक में बताया गया कि एमपी सेवा एकीकरण अंतर्गत समग्र पोर्टल का 36 विभागों के साथ एकीकरण किया जा चुका है।

कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि जो शिकायतें एल 3 व एल 4 स्तर पर लंबित है उनपर विशेष ध्यान दिया जाए। स्कूल शिक्षा विभाग बच्चों के नामांकन पर विशेष ध्यान दे। साथ ही अगले वर्ष जो नामांकन किए जाने है, उनकी तैयारी अभी से की जाए। जिन विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन किया जा चुका है। उन्हें पुरस्कृत किया जाए तथा उनका व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए।

लाखों का गबन करने वाले कियोस्क संचालक ने किया सरेण्डर

62 लोगों के खाते से किया था गबन, पत्नी मां के खाते में ट्रांसफर करता था राशि

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कियोस्क सेंटर संचालित करने वाले युवक ने 3 बैंक खातों से जुड़े खाता धारकों के साथ अमानत में खयानत करते हुए 32 लाख 41 हजार से अधिक का गबन कर दिया था। मामला उजागर होने पर संचालक परिवार सहित गायब हो गया था जिसने अब पुलिस सामने सरेण्डर कर दिया है जिससे पूछताछ की जा रही है।

जीवाजीगंज थानांतर्गत श्रीकृष्ण कॉलोनी में शगुन एमपी ऑनलाइन का संचालन आनंद पिता संतोष बागड़िया द्वारा किया जाता था। उसके पास एसबीआई का कियोस्क सेंटर भी था। वहीं दो अन्य बैंक के भी कियोस्क का काम आनंद द्वारा किया जाता था। पिछले एक साल में उसने 64 लोगों के साथ अमानत में खयानत करते हुए 32 लाख 41 हजार 670 रुपए का गबन कर दिया। उसके द्वारा सबसे अधिक गबन जीरो बैलेंस पर खाते खुलवाने वाले उपभोक्ताओं के साथ किया गया था। उपभोक्ताओं को अपने खाते से रुपए गायब होने का पता चला तो मामला उजागर हो गया। कियोस्क सेंटर संचालित करने वाला आनंद बागड़िया परिवार सहित मकान और दुकान पर ताला लगाकर गायब हो गया। एक के बाद एक 64 लोग सामने आए जिनके साथ धोखाधड़ी हुई थी। मामला पुलिस के पास पहुंचते ही जांच शुरू की गई। बैंकों से जानकारी जुटाई गई। इस दौरान लोगों के साथ हुई धोखाधड़ी की राशि का खुलासा हुआ। पुलिस ने मामले में आनंद बागड़िया के खिलाफ अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की। पुलिस उस तक पहुंच पाती इससे पहले आनंद ने जीवाजीगंज थाने पहुंचकर सरेण्डर कर दिया। जिससे पूछताछ की जा रही है। उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

रजिस्टर में करता था इंट्री और लगवाता था अंगूठा- बताया जा रहा है कि आनंद द्वारा पिछले एक साल से गबन किया जा रहा था। उसके यहां आने वाले बैंक उपभोक्ताओं द्वारा जब राशि जमा कराई जाती थी उस दौरान वह रुपए ले लेता था और रजिस्टर में इंट्री कर लेता था लेकिन उसे ऑनलाइन खाते में नहीं चढ़ाता था। इसी तरह रुपए निकालने के लिए आने वाले उपभोक्ताओं से बायोमेट्रिक मशीन पर अंगूठा लगवा लेता था और बाद में कहता था कि सर्वर डाउन होने की वजह से रुपए निकालने में समय लगेगा। जिसके चलते उपभोक्ता लौट जाता था। इस तरह की धोखाधड़ी करने के बाद आनंद द्वारा उक्त राशि अपनी पत्नी गायत्री, मां सरिता और खुद के खाते में ट्रांसफर कर ली जाती थी। पुलिस उक्त खातों को भी खंगाल रही है। बताया यह भी जा रहा है कि धोखाधड़ी की उक्त राशि से बिटक्वॉइन और क्रिप्टो करेंसी भी खरीदी गई थी।

हजारों खंभों की एलईडी लाईटें बंद..कई हिस्सों में अंधेरा

आगर रोड, स्मार्ट रोड, देवास रोड, इंदौर रोड, मक्सी आगर बायपास रोड, गया कोठा मार्ग रात के समय रहते हैं अंधेरे में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाली सडक़ों के किनारे नगर निगम ने करीब चार साल पहले एलईडी लाईट लगवाई थी और ठेका कंपनी द्वारा इनका 7 साल तक मेंटेनेंस किया जाना अनुबंध में शामिल है। दावा है कि शहर के 45 हजार पोल पर एलईडी लाईट लगा दी गई है लेकिन इनमें से करीब 10 हजार से ज्यादा खंबों की लाईटें अलग-अलग मार्गों की बंद पड़ी हैं।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम ने बिजली का मासिक खर्च कम करने के लिए साल 2020-21 में शहर के 11 हजार पोल पर एलईडी लाईट लगवाई थी। तब जाकर पूरे साल में स्ट्रीट लाईट का खर्च 16 करोड़ सालाना से घटकर 14 करोड़ 78 लाख रुपए सालाना पर आया था। इसके बाद वर्ष 2021-22 में उज्जैन स्मार्ट सिटी कंपनी से अनुबंधित भारत सरकार की ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड ईईएसएल ने सोडियम फिक्चर हटाकर ज्यादा रोशनी और कम विद्युत खपत वाली 24 हजार 557 एलईटी लाईटें लगवाई थी। इसके बाद नगर निगम का बिजली का सालाना खर्च 13 करोड़ के लगभग पहुँच गया था। नगर निगम के प्रकाश विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक ठेका कंपनी से अनुबंध हुआ है कि वह 7 साल तक लगातार लगाई गई एलईडी लाईट का मेंटेनेंस करेगी। इनके सुधार से लेकर लाईट बदलने तक का जिम्मा ठेका कंपनी का रहेगा। इधर शहर के अधिकांश प्रमुख और बाहरी मार्गों पर कई महीनों से सडक़ किनारे पोल पर लगी अधिकांश एलईडी लाईटें बंद हैं। उदाहरण के लिए कोयला फाटक से लेकर इंदिरानगर तिराहे के बीच आगर रोड के अलावा पूरे एम आर-5 मार्ग पर कई एलईडी लाईटें बंद हैं। इसी तरह आगर नाका नंबर 5 से लेकर खाकचौक की ओर जाने वाले मार्ग की सडक़ किनारे लगी एलईडी लाईटें भी अधिकांश खराब होने के बाद बंद हो गई है। जीरो पाइंट ब्रिज से लेकर सरस्वती नगर और उद्योगपुरी तक की स्मार्ट सडक़ की लाईटें तथा खाकचौक से लेकर मंगलनाथ मंदिर तक भी पूरे मार्ग की आधी से ज्यादा एलईडी लाईटें बंद पड़ी हुई हैं। यही हालत खाकचौक से लेकर उत्तरामुखी हनुमान होते हुए अंकपात द्वार तक लगी लाईटों का है। यहाँ भी कई लाईटें बंद हैं और रात में अंधेरा पसरा रहता है। इधर आगर रोड पर ही एमआर-5 मक्सी रोड बायपास मार्ग पर लगी एलईडी लाईटों में से अधिकांश बंद हैं। देवास रोड पर तरणताल के आगे से लेकर नागझिरी के बीच कई बिजली के पोल अंधेरे में डूबे हुए हैं। कुल मिलाकर नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले प्रमुख मार्गों पर लगी एलईडी लाईट अधिकांश बंद हैं। लगभग 30 फीसदी खंबों पर लगाई गई एलईडी लाईटें बंद पड़ी हुई है। इस ओर नगर निगम और स्मार्ट सिटी ध्यान नहीं दे रही। अंधेरे के कारण इन मार्गों पर रात में दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता जा रहा है।

छोटी रपट ब्रिज निर्माण में तेजीः 80 प्रतिशत तुड़ाई पूरी, पिलर कार्य की तैयारी शुरू

कब्रिस्तान के पास लगाया मिक्सर प्लांट, 6 फीट ऊंचा और 100 फीट चौड़ा नया पुल सिंहस्थ से पहले तैयार करने का लक्ष्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दानीगेट चौराहे को बड़नगर रोड से जोड़ने वाले छोटी रपट ब्रिज के पुनर्निर्माण का कार्य इन दिनों तेज गति से चल रहा है। सेतु निगम द्वारा बनाए जा रहे इस नए पुल की तुड़ाई एक माह पहले प्रारंभ की गई थी, जिसमें अब तक पुराने ब्रिज का 80 प्रतिशत हिस्सा तोड़कर साफ किया जा चुका है। इसके बाद अब आधार (फाउंडेशन) तैयार करने का काम शुरू हो गया है।

नए ब्रिज निर्माण के काम में तेजी लाने के लिए ठेकेदार द्वारा सामने स्थित कब्रिस्तान के पास मिक्सर प्लांट भी स्थापित कर दिया गया है, ताकि कंक्रीट कार्य में देरी न हो। निर्माण एजेंसी ने बताया कि आने वाले दिनों में पिलर निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा और इसके लिए गड्ढे खोदना शुरू कर दिया गया है। गौर तलब है कि कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने हाल ही में स्थल का निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि यह स्थान नदी का महत्वपूर्ण मार्ग है, इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं चलेगी और पुल को निर्धारित समय सीमा में तैयार करना अनिवार्य है। उनके निर्देश के बाद से यहां निर्माण कार्य में और अधिक तेजी आई है। नया ब्रिज 6 फीट ऊंचा और लगभग 100 फीट चौड़ा बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पुरानी छोटी रपट थोड़ी सी बारिश में ही डूब जाती थी, जिससे आवागमन बाधित हो जाता था। सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए यह नया पुल ऊंचा बनाया जा रहा है, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या न हो और यातायात निर्बाध जारी रह सके।

इसलिए जरूरी है नया ब्रिज

बरसात में छोटी रपट जल्दी डूब जाती थी

कुछ घंटों की बारिश में भी बंद हो जाता था आवागमन

सिंहस्थ से पहले सुरक्षित और चौड़ा मार्ग आवश्यक

आवागमन सुचारू रहे इसलिए ब्रिज की ऊंचाई बढ़ाई जा रही

बैंक ऑफ़ इंडिया की मक्सीरोड ब्रांच में चोरी का प्रयास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड पर बुधवार गुरुवार रात बैंक आफ इंडिया की ब्रांच में चोरी का प्रयास होना सामने आया है। बदमाश ताला तोड़कर शटर उचका चुके थे। लेकिन अंदर लगी चैनल की वजह से घुस नहीं पाए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बदमाशों का पता लगाने के लिए आसपास के कैमरो को देखा जा रहा है।

माधवनगर थाना पुलिस ने बताया कि मक्सी रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया की ब्रांच में रात को कुछ बदमाशों द्वारा ताला तोड़कर शटर उचका दिया गया था। बदमाश अंदर घुसने का प्रयास कर रहे थे लेकिन बैंक द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से शटर के पीछे चैनल गेट भी लगा रखा था। बदमाश चैनल खोलने में नाकाम रहे और भाग निकले। गुरुवार सुबह जैसे ही बैंक में चोरी का प्रयास होने की खबर मिली तो माधव नगर थाना क्षेत्र की नगर पुलिस अधीक्षक दीपिका शिंदे थाना प्रभारी राकेश भारती के साथ मौके पर पहुंच गई। बैंक मैनेजर और कर्मचारी भी पहुंच गए थे उन्होंने बताया कि बदमाश सिर्फ ताले ही तोड़ पाए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि रात में बैंक के बाहर कोई सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था वहीं बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे भी बंद थे जिसके चलते बदमाशों का पता नहीं चल पाया। जांच के लिए एफएसएल टीम और डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस बदमाशों का पता लगाने के लिए मक्सी रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है। गौरतलब है कि कुछ माह पहले ही माधवनगर थाना क्षेत्र के महानंदानगर में बदमाशों ने बैंक में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों को कुछ घंटे बाद ही ट्रेस कर गिरफ्तार किया था। बदमाशों में शामिल एक बैंक से ही जुड़ा होना सामने आया था। बैंक में हुई वारदात के बाद पुलिस द्वारा सुरक्षा को लेकर बैंक अधिकारियों के साथ बैठक भी आयोजित की गई थी। बावजूद इसके गुरुवार को बैंक ऑफ़ इंडिया में हुए चोरी के प्रयास के दौरान पुलिस द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन होना सामने नहीं आया है।

1 जनवरी तक मेयर इन काउंसिल में बजट प्रस्तुत करें ताकि वास्तविकता के आधार पर बजट का निर्धारण कर सकें - महापौर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 1 जनवरी 2026 तक मेयर इन काउंसिल की बैठक में नगर निगम का बजट प्रस्तुत किया जाए ताकि वास्तविकता के आधार पर बजट का निर्धारण किया जाए उक्त निर्देश गुरुवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा वित्त एवं लेखा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए गए।

बैठक में वित्त विभाग के अपर आयुक्त श्री पुनीत शुक्ला द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि नगर निगम को शासन से समय-समय पर अनुदान एवं चुंगी प्राप्त होती है, 2026-27 के लिए बजट प्रावधान के लिए सभी विभागों को पत्र जारी कर दिए गए हैं शीघ्र ही बजट निर्धारण करते हुए मेयर इन काउंसिल में प्रस्तुत किया जाएगा ताकि बजट पर आवश्यक चर्चा हो सके।

महापौर द्वारा वित्त विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार निर्देशित किया गया कि आय के स्रोत के साधनों को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है इसलिए संपत्ति कर अधिक से अधिक वसूलने की ओर ध्यान दिया जाए ताकि नगर निगम आत्मनिर्भर बन सके इस बार के बजट में ग्रीन बजट, महिला प्रधान बजट एवं वास्तविक बजट पर ध्यान दिया जाएगा।

सबसे ऊंचाई पर दिखा सुपरमून, 17 साल बाद नजर आया ऐसा दृश्य

जीवाजी व डोंगला वेधशाला से दिखा अद्भुत नज़ारा, 'कोल्ड मून' का चमकता रूप मोह गया दर्शकों को

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 4 दिसंबर की रात आसमान में अद्भुत खगोलीय घटना देखने को मिली। यह सामान्य सुपरमून नहीं, बल्कि ऐसा सुपरमून था जो वर्ष 2025 में सबसे अधिक ऊंचाई पर चमका। खगोलविदों के अनुसार इतनी ऊंचाई पर दिखाई देने वाला चंद्रमा अब अगले 17 साल तक आकाश में नहीं दिखेगा। आसमान साफ रहने से उज्जैन की जीवाजी वेधशाला और डोंगला वेधशाला से इस दृश्य को आसानी से देखा गया।

पूर्णिमा की रात जब चंद्रमा पृथ्वी के सबसे नजदीक पेरिजी स्थिति में आता है, तब वह सामान्य से आकार में बड़ा और चमक में अधिक दिखाई देता है। इसी घटना को सुपरमून कहा जाता है। दिसंबर 2025 का यह सुपरमून वर्ष का अंतिम सुपरमून था, जिसे वैज्ञानिक, धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया।

डोंगला वेधशाला के प्रकल्प अधिकारी घनश्याम रत्नानी ने बताया कि ÷सुपरमून की घटना तो प्रायः होती रहती है, लेकिन इस बार चंद्रमा वर्ष की सबसे अधिक ऊंचाई पर था, जो इसे अत्यंत विशेष बनाता है।

'कोल्ड मून' के रूप में दिखा अनोखा सौंदर्य- दिसंबर महीने की पूर्णिमा को 'कोल्ड मून' कहा जाता है। इसका नामकरण प्राचीन मूल अमेरिकी मोहॉक जनजाति द्वारा किया गया था क्योंकि यह महीना उत्तरी गोलार्ध में कड़ाके की ठंड की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इसे 'लॉन्ग नाइट मून' भी कहा जाता है, क्योंकि यह पूर्णिमा अक्सर शीतकालीन संक्रांति के समय पड़ती है।

कितनी देर दिखा दृश्य- खगोलविदों के अनुसार यह दृश्य 4 दिसंबर की सुबह 8÷37 बजे से शुरू होकर 5 दिसंबर की शाम 4÷43 बजे तक आकाश में मौजूद रहा। रात के समय चंद्रमा की चमक अपने चरम पर रही और उसकी विशालता तथा ऊंचाई स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस दौरान उज्जैन सहित आसपास के क्षेत्रों में लोगों ने दूरबीनों व खुले आसमान में इस अनोखे नज़ारे का आनंद लिया।

वसूलीबज बदमाश का पुलिस ने निकाला जुलूस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रास्ता रोककर शराब के पैसे मांगने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसका क्षेत्र में जुलूस निकाला। बदमाश पर 20 मामले दर्ज है जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया। महाकाल मंदिर क्षेत्र में फूल प्रसादी की दुकान लगाने वाले शशांक पिता चंदन सिंह परिहार निवासी गणेश कॉलोनी 25 नवंबर को घर से अपनी दुकान आ रहा था इस दौरान रास्ते में बदमाश धर्मेंद्र योगी ने उसे रोका और खुद को क्षेत्र का दादा बताते हुए शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगा। शशांक ने रुपए देने से मना किया तो बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया था। महाकाल थाना पुलिस ने बदमाश के खिलाफ हफ्ता वसूली और चाकूबाजी का मामला दर्ज किया था। गुरुवार को बदमाश पुलिस की हिरासत में आ गया। जिसके खिलाफ पूर्व में भी 20 अपराधिक मामले दर्ज थे। बदमाश की क्षेत्र में दहशत कम करने के लिए उसका जुलूस निकाला गया और उठक बैठक लगवाई गई। पुलिस की हिरासत में आते ही बदमाश अपराध नहीं करने की कसम खाने लगा। महाकाल पुलिस ने उसे दोपहर बाद न्यायालय में पेश किया जहां से जेल भेजा गया है।

सिंहस्थ 2028 के चल रहे निर्माण कार्यों की सतत् मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार को मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में काल भैरव मंदिर तक सडक निर्माण वाया भैरवगढ चौराहा की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह ने इसकी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। सिंहस्थ के अंतर्गत जो नए मार्ग बनाए जा रहे है, उसके लिए यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। तपोभूमि से हामुखेडी मार्ग की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि इसका भू अर्जन का कार्य हो चुका है। शेष कार्य प्रगतिरत है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। सीसी रोड बनाए जाने के पश्चात उसकी तराई के कार्य अच्छे से किए जाए। सड़क निर्माण के पश्चात निर्धारित समयावधि के पश्चात ही उन पर आवागमन प्रारंभ किया जाए। इससे सडक में मजबूती बनी रहें। मंगलनाथ से चककमेड तक सड़क निर्माण और नागझिरी से दताना तक मार्ग निर्माण को तेज गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

लोकनिर्माण विभाग के अंतर्गत किए जाने वाले निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि सदावल के पास हेलीपेड निर्माण के अंतर्गत एप्रोच रोड का निर्माण प्रगतिरत है। रणजीत हनुमान से मोजमखेडी तक पुलिया निर्माण का कार्य चल रहा है। उज्जैन-बड़नगर मार्ग निर्माण 70 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

पीआईयू के अंतर्गत निर्मित किए जाने वाले निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी दी गई कि माधव नगर अस्पताल उन्नयन कार्य के अंतर्गत प्लिंथ निर्माण हो चुका है। आयुर्वेदिक कॉलेज के दो छात्रावासों के डिजाईन अप्रूव होने के पश्चात कार्य प्रारंभ हो जाएगा। नवीन घाट निर्माण के अंतर्गत चककमेड में रीटेनिंग वॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। कर्कराज मंदिर से भूखी माता कांक्रीटिंग का कार्य प्रारंभ हो गया है। इंदौर उज्जैन 06 लेन मार्ग की समीक्षा के दौरान मेला अधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग निर्माण के दौरान सर्विस रोड पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि ट्रेफिक जॉम की स्थिति उत्पन्न न हो। शहर के अंदर आने वाले मार्ग में मीडियन और डिवाईडर पर प्लांटेशन का कार्य किया जाए। पंचक्रोशी यात्रा 2028 के अंतर्गत लोकस्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि विभाग द्वारा 2028 में पंचक्रोशी यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की अनुमानित संख्या के अनुसार ही कार्ययोजना बनाई जाए।